जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 109 प्रभात चूरू, बुधवार 17 अगस्त, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

विशालकाय और बेहद गतिशील परभक्षी भी दक्षिण अमेरिका के सिकुड़ते जंगलों के दुष्प्रभाव से अछूते नहीं हैं। संकटग्रस्त ब्लैक एंड चैस्टनट ईगल तेजी से विखंडित हो रहे अपने प्राकृतिक आवास और निरन्तर बढ़ रहे इंसानी खतरों के बीच सरवाइव करने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन कर रहे हैं। ग्लोबल इकॉलजी एण्ड कंज़र्वेशन जर्नल में छपे एक नए शोध में पाया गया है कि इस परभक्षी ने सफलतापूर्वक एण्डिअन पहाड़ियों के सिकुड़ते ट्रॉपिकल और सब ट्रॉपिकल जंगल से अनुकूलन कर लिया है, लेकिन यदि वनों का घटना इसी प्रकार जारी रहा तो इन्हें विलुप्ति के खतरे सामना करना पड़ सकता है। वर्ष 2015 और 2020 के बीच शोधकर्ताओं ने कोलम्बिया व अर्जेन्टीना में 8 ईगल्स को टैग किया। वे समझना चाहते थे कि ये ईगल शिकार कैसे करते हैं और नष्ट हो रहे फॉरैस्ट इकोसिस्टम में कैसे भ्रमण करते हैं। शोध के सहलेखक और अर्जेन्टीना की नैशनल युनिवर्सिटी के प्रोफेसर मैनुअल ग्रांडे ने कहा, ''ये ईगल्स हैं इसलिए हम जानते हैं कि ये लम्बी दूरी तक उड़ सकते हैं, लेकिन दूसरी तरफ यह एक जंगली प्रजाति है इसलिए हमें निश्चित नहीं था कि ये विखंडित जंगल के बीच उड़ सकेंगे या नहीं।'' एण्डिअन फॉरैस्ट के इकोसिस्टम का तेजी से विनाश हो रहा है और यह अमेरिकाज़ का सर्वाधिक संकटग्रस्त इकोसिस्टम है, विशेष रुप से पहाड़ी की तलहटी का भाग। कोलम्बिया और अर्जेन्टीना, जहां यह शोध हुआ है, में 50,000 वर्ग किलोमीटर से भी कम जंगल बचा है। शोध कहता है कि, जंगल का ऐसा भाग, जहां पहुंचना मुश्किल है, केवल वही बचा हुआ है। यह भाग पर्वत श्रृंखलाओं की ढलानों पर हैं। जबकि अन्य भाग इंसानी आबादी से घिरे हुए हैं जो अपने मवेशियों और खेतों की खातिर प्रायः जानवरों को मार देते हैं। कोलम्बिया में किसान ईगल्स को गोली मार देते हैं क्योंकि ये पक्षी उनकी मुर्गियों को ले जाते हैं। लेकिन ईगल तब ही ऐसा करते हैं, जब जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिलता। शोध के मुख्य लेखक सैंटिआगो ज़ुलूआगा ने कहा कि, आवास विनाश का सबसे बड़ा प्रभाव होता है जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिलना। कोलम्बिया, इक्वडोर, बोलीविया, पेरु, वैनेज़ुएला और अर्जेन्टीना में ईगल सर्वोच्च परभक्षी हैं और इनकी विलुप्ति से वहां के जंगल का इकोसिस्टम नष्ट हो सकता है क्योंकि ये बंदरों और चूहों की आबादी पर नियंत्रत रखते हैं। ब्लैक एण्ड चैस्टनट ईगल को आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट में ''एन्डेन्जर्ड'' करार दिया गया है। इसकी आबादी में 1000 से भी कम वयस्क पक्षी हैं।

भारत के विरोध के बावजूद भी चीन का ''स्पाय शिप'' श्रीलंका में डटा

भारतीय उपमहाद्वीप में भौगोलिक राजनैतिक स्थिति घोर अनिश्चितता के दौर में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारतीय उपमहाद्वीप में भौगोलिक राजनैतिक स्थिति बेहद अनिश्चित चरण में प्रवेश कर रही है।

चीन का एक स्पाय शिप (जिसके दोहरे उपयोग हैं) भारत के कड़े विरोध के बाद भी श्रीलंका के हकबान्टोटा बंदरगाह पर खड़ा है। यह स्पाय शिप सैटलाइट संवाद को ट्रैक कर सकता है और सुन भी सकता है जो भारत के सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए खतरा हो सकता हैं।

इधर भारत भी अमेरिका के साथ बेहद उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग कर रहा है, जिससे चीन नाराज़ है। भारत उत्तराखंड में चीन की सीमा पर अमेरिका के साथ सैन्य अभ्यास करेगा। यह पहली बार है जब भारत किसी अन्य देश के साथ इतनी ऊंचाई पर सैन्य अभ्यास करेगा।

इसके अलावा भारत अपनी सीमा चौकियां बेहतर एक आधुनिक हथियारों के सुसज्जित कर रहा है ताकि भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ सके।

एक सप्ताह चले चीनी जहाज श्रीलंका के बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था तब भारत ने इसे अनुमति देने के लिए श्रीलंका के समक्ष विरोध दर्ज करवाया था। इसके बाद श्रीलंका सरकार ने कोलम्बो के चीन के राजदूत से बात की और आग्रह किया इस पर विचार विमर्श होने तक जहाज का आना रोक दिया जाए।

चीन ने दावा किया कि यह वैज्ञानिक रिसर्च का जहाज है और जासूसी नहीं कर सकता है और ना ही ऐसे किसी मिशन पर है। इस शिप का नाम है युआन वांग 5 और चीन द्वारा विकसित नवीनतम बहुद्देशीय जहाज है

अमेरिकी की इंडोपैसिफिक कमांड की गुप्तचर रिपोर्ट है कि शिप पी.एल.ए. (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की स्ट्रेटजिक सपोर्ट फोर्स के मातहत काम कर रहा है।

गुप्तचर रिपोर्ट के अनुसार, ''स्ट्रैटजिक सपोर्ट फोर्स (एस.एस.एल.) एक थेटर कमांड स्तर का संगठन है जिसकी स्थापना पी.एल. ए. के स्ट्रैटजिक स्पेस, साइबर, इलैक्ट्रॉनिक, सूचना संचार और मनोवैज्ञानिक मिशन व क्षमताओं को केन्द्रीकृत करने के लिए किया गया था।'' यू. एस. रिपोर्ट कहती है कि एस.एस.एफ. युआन वांग स्पेस सपोर्ट शिप को भी ऑपरेट करता है जो कि सैटलाइट और इन्टरकॉन्टीनैंटल बैलस्टिक मिसाइल (आई.सी.बी.एम.) लॉन्च को ट्रैक करता है श्रीलंका के आग्रह के बाद भी शिप श्रीलंका भेजने की चीन की जिद यह दर्शाती है कि अपने हित के लिए चीन की श्रीलंका पर कितना मजबूत पकड़ हैं। चीन पहले ही

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **चीन के इस कदम को, उत्तराखण्ड में भारत-अमेरिका युद्धाभ्यास पर चीन की नाराजगी का प्रदर्शन बताया जा रहा है।**
- **गौरतलब है कि, श्रीलंका के हमबान्टोटा बंदरगाह पर चीन का स्पाय शिप तैनात है, यह विशालकाय बंदरगाह चीन ने ही बनाया था और श्रीलंका चूंकि चीन का कर्ज़ अदा नहीं कर सका इसलिए चीन ने बंदरगाह को 99 साल की लीज़ पर हथिया लिया है।**
- **अमेरिकन गुप्तचर एजेंसियों के अनुसार यह ''स्पाय शिप'', जिसे चीन साइन्टिफिक रिसर्च शिप बता रहा है, सैटेलाइट संचार को ट्रैक कर सकता है और सुन सकता है, इसलिए यह भारत के हितों के खिलाफ है।**

एस.आई. दक्षता परीक्षा

जयपुर, 16 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 की शारीरिक दक्षता परीक्षा से जुड़े मामले में दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मंगलवार को जुगल किशोर व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा कि उन्होंने एसआई भर्ती की लिखित परीक्षा में सफल होने

- **पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 की शारीरिक क्षमता परीक्षा के संबंध में दायर याचिकाएं हाई कोर्ट ने खारिज कीं।**

के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा दी थी, लेकिन वहीं 11 अप्रैल को आए शारीरिक दक्षता परिणाम में उन्हें चिनअप व लंबी कूद में कम अंक देकर असफल घोषित कर दिया, जबकि उन्होंने इसे तय समय में पूरा किया था। याचिका में कहा कि उन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षा की दौड़ सही समय में पूरी की थी, लेकिन उनके पैर में लगे इलेक्ट्रॉनिक चिप ने दौड़ का समय कम बताया। परीक्षा के दौरान वीडियोग्राफी हुई थी, लिहाजा अदालत वीडियोग्राफी व चिप मंगवाकर मामले की जांच

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कर्नाटक में सांप्रदायिक भावनाओं पर लड़ा जाएगा आगामी चुनाव

राज्य में एक के बाद एक ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिन्हें साम्प्रदायिकता का रंग दिया जा रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। कर्नाटक में चुनाव की तैयारियाँ पूरे ज़ोरों पर हैं। दोनों प्रतिद्वंदी दल- सत्तारूढ़ भाजपा तथा विपक्षी कांग्रेस हर संभव अवसर पर सक्रिय दिखाई देती हैं। इसलिये स्वतंत्रता दिवस भी इसका अपवाद नहीं रहा। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के दौर में, दोनों पार्टियों ने इस राष्ट्रीय पर्व का उपयोग भी अपनी-अपनी ताकत दिखाने के लिये किया।

कर्नाटक, जो सत्तारूढ़ भाजपा के लिये दक्षिण भारत का प्रवेश-द्वार है, को लेकर भाजपा के दावे बहुत ऊँचे हैं। भाजपा के लिये कर्नाटक ऐसी घटनाओं का साक्षी रहा है, जो धार्मिक भावनाओं को भड़का सकती हैं। अब, शिवामोगा कस्बे में कुछ एक्टिविस्टों द्वारा सावरकर के चित्र को लेकर हुए विवाद ने हिंसक टकराव का रूप ले लिया, जिसके शीघ्र ही साम्प्रदायिक रंग ले लेने का खतरा पैदा हो गया।

कुछ लोगों ने सावरकर के चित्रों तथा बैनरों को हटाने तथा उनके स्थान पर टीपू सुल्तान के चित्र लगाने की कोशिश की, जिसके बाद लोगों के दो ग्रुपों के बीच संघर्ष शुरू होगा। इसके बाद, कस्बे में कर्फ्यू तथा धारा 144 लगा दी गई।

संघर्ष में दो लोगों को छुरों से घायल कर दिया गया। इस सिलसिले में, चार लोग गिरफ्तार कर लिये गये हैं। अस्पताल के सूत्रों को उद्धृत करते हुये, पुलिस ने कहा कि जख्मी हुये दोनों लोग खतरे से बाहर हैं। गिरफ्तार किये गये चार लोगों की पहचान नदीम (25), अब्दुल रहमान (25), तनवीर तथा जबीउल्लाह के रूप में की गई है।

प्रसंगवश बता दें कि कुछ दिन पहले, दक्षिण कन्नड़ में भाजपा की युवा शाखा के एक ऐक्टिविस्ट का कत्ल कर दिया गया था, जिसके बाद, मुख्यमंत्री बी. बासवराज अपनी पार्टी के लोगों तथा हिन्दू संगठनों के जबरदस्त दबाव में आ गये। पार्टीजनों तथा इन संगठनों का कहना है कि मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के लोगों की रक्षा करने में विफल हैं।

राजनैतिक विश्लेषक इन घटनाओं को ऐसे संभावित राजनैतिक साधन के रूप में देख रहे हैं, जिसका उपयोग हिन्दू वोटों को एकजुट करने के लिये किया जा सकता है, ठीक वैसे ही, जैसे कुछ महीनों पहले, कर्नाटक में ही पैदा हुये हिजाब विवाद ने बहुत दूर स्थित उत्तर-प्रदेश में इसी प्रकार हिन्दू एकजुटता में अपना योगदान दिया था। ज्ञातव्य है कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **हाल ही में शिवमोगा जिले में सावरकर की तस्वीर हटाने की घटना पर हुआ तनाव भी साम्प्रदायिक रूप ले सकता है।**
- **इससे पहले हिजाब को लेकर हुए विवाद ने भी लोगों को साम्प्रदायिकता के आधार पर बांटने का प्रयास किया।**

एक्स.ई.एन. को सजा

जयपुर, 16 अगस्त (का.सं.)। ए.सी.बी. मामलों की विशेष अदालत, क्रम-3 ने राजस्थान अरबन इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमैंट प्रोजेक्ट के तत्कालीन एक्स.ई.एन. अनिल कुमार जैन को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से

- **ए.सी.बी. मामलों की विशेष अदालत ने रिश्वत के आरोपी एक्स.ई.एन. को 2007 के मामले में तीन साल की सजा सुनाई।**

अदालत को बताया गया कि, मामले में परिवादी ओम शिवहरि चाहर ने अक्टूबर 2007 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी।

जिसमें कहा गया था कि उसकी एनजीओ ने शहर के कुछ सरकारी कॉलेजों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट का ठेका ले रखा है। जिसका बिल पास करने की एवज में अभियुक्त दो फीसदी कमीशन लेता है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने अभियुक्त को 11 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

क्या नीतीश कुमार से डर रही है भाजपा?

दिल्ली से लेकर बिहार तक ''काउन्टर नीतीश'' मुहिम में जुटी भगवा पार्टी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। नीतीश कुमार के संभावावित राजनीतिक कदमों का प्रत्युत्तर देने हेतु जवाबी रणनीति बनाने के लिए बिहार भाजपा कोर कमेटी के सदस्यों ने मंगलवार को नई दिल्ली में वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ गंभीर विचार -विमर्श किया। क्योंकि नीतीश द्वारा भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की चुनावी संभावनाएं प्रभावित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **बताया जा रहा है कि, भाजपा से अलग होने का नीतीश का फैसला देश भर में असर डालेगा और गैर भाजपा शासित राज्यों में भाजपा का विरोध और तेज हो जाएगा।**

भारतीय फुटबॉल महासंघ निलंबित

ज़्यूरिख, 16 अगस्त (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को इस आरोप के साथ मंगलवार को निलंबित कर दिया कि वह तीसरे पक्ष के 'अनुचित प्रभाव में' काम कर रहा है। फीफा ने यहां जारी बयान में कहा कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने

- **फीफा ने भारतीय फुटबॉल महासंघ को निलंबित किया व आरोप लगाया कि भारतीय फुटबॉल महासंघ तीसरे पक्ष के दबाव में काम कर रहा है।**

एआईएफएफ को तीसरे पक्ष के अनुचित दबाव के तहत काम करने के आरोपों के कारण सर्वसम्मति तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है। एआईएफएफ का यह कदम फीफा के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। फीफा ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एपल ने कर्मचारियों की छंटनी की, गूगल ने नोटिस दिया

क्या यह लगातार दूसरी तिमाही में अमेरिका की इकॉनमी गिरने का नतीजा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिका अधिकारिक रूप से यह नहीं मान रहा है कि उसकी अर्थव्यवस्था में मंदी आ गई है। वह अपने कॉमर्स डिपार्टमैंट के उन डेटा की अनदेखी कर रहा है जो यह दर्शा रहे हैं कि अर्थव्यवस्था दो लगातार तिमाहियों में कमजोर रही है, लेकिन क्या वह जमीनी सच्चाई के प्रति आंखें मूंद सकता है?

वास्तविकता यह है कि आर्थिक परेशानियों के कारण ''गूगल' के अपने कर्मचारियों को छंटनी की चेतावनी देने के बाद एक अन्य तकनीकी दिग्गज एपल कम्पनी ने संविदा पर लगे अपने कर्मचारियों की पिछले हफ्ते छंटनी कर दी।

दुनिया की इस सर्वाधिक बहुमूल्य कम्पनी ने एक असाधारण कदम उठाकर अपने करीब 100 संविदा कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट कहती है कि एपल के नियोक्ताओं ने ही नए कर्मचारियों की भर्ती की थी और अब उनकी छंटनी यह रेखांकित करती है कि कम्पनी में आर्थिक मंदी की स्थिति है।

छंटनी किए गए कर्मचारियों को बताया गया कि एपल की वर्तमान कारोबारी आवश्यकताओं में आए बदलाव की वजह से ऐसा करना पड़ा।

एपल के अर्निंग कॉन्फ्रैंस कॉल के दौरान उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने पुष्टि की कि कम्पनी कुछ क्षेत्रों में अपना निवेश जारी रखे हुए है,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **विश्व की सबसे बहु मूल्य कम्पनी एपल ने असाधारण कदम उठाते हुए 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, इससे पहले गूगल ने भी वित्तीय कारणों से कर्मचारियों को छंटनी की चेतावनी दी।**
- **गूगल और एपल ही नहीं, फेसबुक और ट्विटर ने भी ऐसे ही संकेत दिए हैं।**
- **अमेरिका की अर्थव्यवस्था वास्तव में मंदी की राह पर है, लेकिन अमेरिकी सरकार अधिकृत रूप से इसे स्वीकार करने से इंकार कर रही है और ज़मीनी हकीकत पर आंखें मूंदे हुए है।**

विचार बिन्दु

मन की दुर्बलता से भयंकर और कोई पाप नहीं। –विवेकानंद

जनकल्याण बनाम रेवड़ी बाँटना

प्रधानमंत्री ने कुछ समय पूर्व बुंदेलखंड एक्सप्रेस के उद्घाटन के अवसर पर देश में रेवड़ी संस्कृति को समाप्त करने की बात कही थी और यह भी कहा कि मुफ्त में चीजें बांटने की जो प्रवृत्ति कई दलों ने अपनाई है, वह देश के लिए बहुत खतरनाक है। इससे देश का भविष्य अंधकार मय हो जाएगा।

उनके इस वक्तव्य के बाद इस विषय पर देश में बहस प्रारंभ हो गई है कि रेवड़ी बाँटना वास्तव में है क्या? जनता को कोई भी वस्तु या सुविधा मुफ्त में देने की सरकारों की प्रवृत्ति को प्रधानमंत्री ने रेवड़ी- संस्कृति की संज्ञा दी है। यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में भी गया और वहां पर न्यायाधीशों द्वारा सरकार से यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया कि मुफ्त सुविधा बांटने से अथवा रेवड़ी बांटने से क्या तात्पर्य है? आज के इस आलेख में हम इसे ही समझने का प्रयास करेंगे कि रेवड़ी बांटने का अर्थ क्या है एवं यह जन कल्याण की नीतियों से किस प्रकार अलग है?

भारत एक जन कल्याणकारी राष्ट्र है और यहां के नागरिकों के हित में कार्य करना सरकार का दायित्व है। नागरिकों के कल्याण हेतु सरकारें विभिन्न प्रकार की योजनाएं बनाती हैं ताकि उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके। ऐसा करते समय यह देखा जाता है कि जिन व्यक्तियों की क्षमता अपने स्वयं के स्तर पर जीवन को बेहतर बनाने की नहीं है, उन्हें किस प्रकार की सहायता राज्य द्वारा उपलब्ध कराई जा सकती है? इस प्रकार की सहायता कई बार, कम कीमत पर वस्तुओं का वितरण अथवा कम कीमत पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा कर दी जाती है।

सरकार द्वारा संचालित विद्यालय, महाविद्यालय, अस्पताल आदि इसी सिद्धांत के आधार पर बनाए गए हैं। इन सबको भी कई लोग रेवड़ी बांटने की श्रेणी में रख सकते हैं। राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार जो भी धन जनता के कल्याण पर व्यय करती है, वह जनता के ही द्वारा कर अथवा अन्य प्रकार से राज्य के खजाने में जमा किया जाता है। इस प्रकार के धन -संग्रहण में देश के प्रत्येक नागरिक का योगदान है। सामान्य धारणा यह है कि जो व्यक्ति आय कर देते हैं वही सरकार के खजाने में धन जमा करते हैं और इसी के माध्यम से अन्य लोगों को मुफ़्त सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं।

पहले हम 'रेवड़ी बांटने' का अर्थ समझ लेते हैं। एक कहावत है- 'अंधा बांटे रेवड़ी, फिर-फिर अपनों को दे।' अर्थात, जो व्यक्ति अधिकार प्राप्त करता है वह उसका प्रयोग अपने ही लोगों को लाभ पहुंचाने में करता है।

सत्ता में आने पर अधिकांश लाभ अपने ही लोगों को पहुंचाना रेवड़ी बांटने के समान है। सत्ताधारी लोग इस प्रकार का कार्य करें कि सरकार के माध्यम से विभिन्न प्रकार के लाभ कुछ चुनिंदा व्यक्तियों को या अपने पसंद के व्यक्तियों को उपलब्ध कराएं, तो उसे रेवड़ी बांटना कहा जाना गलत नहीं होगा। सत्ताधारी दल चाहे वह कोई भी रहा हो, ऐसा काम करते आए हैं। उदाहरण के लिए, पसंदीदा उद्योगपतियों के बड़े-बड़े कर्ज माफ करना, किसी निकटस्थ व्यक्ति के घर तक सार्वजनिक धन से सड़क बनाना, उसके लिए विशेष रूप से विद्युत व्यवस्था कर देना, अपने मिलने वालों को ठेके देना, अपने रिश्तेदारों को नौकरियां देना आदि-आदि। ऐसा करते समय सभी नियमों-कानूनों को ताक पर रख दिया जाता है। कई बार कुछ विशेष व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के लिए शर्तों में छूट तक दे दी जाती है। अयोग्य व्यक्तियों को नियुक्ति दे दी जाती है।

इसी में पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों को आजीवन पेंशन देना भी सम्मिलित है। जिस द्रुत गति से स्वयं अपने भत्ते, पेंशन, सुविधायें बढ़ाने का निर्णय विधायकों एवं सांसदों द्वारा लिया जाता है, वह रेवड़ी बांटने जैसा ही है। पूर्व सांसदों को आजीवन मुफ्त वातानुकूलित रेल - यात्रा कराना भी इसी श्रेणी में माना जाएगा। ऐसे ही यदि पर्यटन निगम का कोई उच्च अधिकारी या मंत्री अपने नाते रिश्तेदारों को निगम के विश्राम गृहों में मुफ्त में ठहराए तो वह निश्चित रूप से रेवड़ी बांटने जैसा है। यह सब किसी भी परिस्थिति में सही नहीं माना जा सकता और इसको रोका ही जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री जी ने जिस परिप्रेक्ष्य में यह बात कही थी वह कुछ और था। उनके अनुसार मुफ्त शिक्षा, मुफ्त इलाज, मुफ्त राशन, मुफ्त किताबें, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी देना नितांत अनुचित है और देश के लिए चिंताजनक है। सवाल तो यह सरकारों से पूछा जाना चाहिए कि वे नागरिकों के लिए अब तक सुनिश्चित अच्छी आय देने वाले रोजगार की व्यवस्था सबके लिए क्यों नहीं कर पाई? क्या यह गरीब, दलित, आदिवासी लोगों का निर्णय था कि उन्होंने इन परिवारों में जन्म लिया?

सवाल तो यह सरकारों से पूछा जाना चाहिए कि वे नागरिकों के लिए अब तक सुनिश्चित अच्छी आय देने वाले रोजगार की व्यवस्था सबके लिए क्यों नहीं कर पाई? क्या यह गरीब, दलित, आदिवासी लोगों का निर्णय था कि उन्होंने इन परिवारों में जन्म लिया?

सभी नागरिकों को गरिमापूर्ण जीवन यापन के लिए आधारभूत सुविधाएँ जैसे– शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली उपलब्ध कराना प्रत्येक जन कल्याणकारी सरकार का दायित्व है। जब वे स्वयं अपने स्तर पर इनकी व्यवस्था नहीं जुटा पायें तब तक सरकार को उपयुक्त अनुदान भी देना होगा और आवश्यक हो तो नि:शुल्क भी यह सब उपलब्ध कराना होगा। सरकारी अनुदान के बिना, आवास बनाने में असमर्थ लोग क्या कच्ची बस्तियों में नारकीय जीवन जीने के लिए अभिशप्त रहेंगे? क्या मुफ्त इलाज के अभाव में असमय मरना ही गरीब लोगों की नियति है? सस्ती रसोई गैस उपलब्ध ना करा पाये तो क्या उम्र भर निर्धन महिलाएँ चूल्हे के धुएँ से विभिन्न साँस की बीमारियों से पीड़ित होती रहे? एक जन कल्याणकारी राज्य में यह स्वीकार्य नहीं हो सकता है।

इन परिस्थितियों में यदि सरकार कोई अनुदान की व्यवस्था करे अथवा कोई वस्तु अथवा सुविधा कम कीमत पर अथवा नि:शुल्क उपलब्ध कराए तो इसे रेवड़ी बांटना कहा जाना उचित नहीं है। उदाहरण के लिए कोरोना काल में रोजगार समाप्त होने पर एवं आय के साधन लगभग समाप्त होने पर, देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का वितरण स्वयं प्रधानमंत्री के निर्देश पर किया गया तो क्या उन्होंने रेवड़ी बांटी? कतई नहीं।

दिल्ली की सरकार यदि एक निश्चित सीमा तक बिजली और पानी मुफ्त देने का काम करे और ऐसा वह बिना अतिरिक्त कर लगाए करे तो उसकी सराहना की जानी चाहिए न कि आलोचना।

रेवड़ी बांटने और जन कल्याण में अन्तर यही है कि जिस व्यक्ति को लाभ दिया जा रहा है, वह उसके लिए उपयुक्त पात्र है अथवा नहीं। क्या इस प्रकार की सुविधा बिना किसी भेदभाव के दी जा रही है?

यदि प्रधानमंत्री की बात को आगे बढ़ाया जाए तो बीपीएल परिवारों को अनुदानित राशन उपलब्ध कराना, कृषकों को कम कीमत पर बिजली उपलब्ध कराना, यह सब रेवड़ी बांटना माना जा जाएगा, किंतु वास्तव में ऐसा है नहीं। यदि सरकार इस काम के लिए विदेशों से कर्जा लेकर अपने नागरिकों को, विशेषकर अपने मिलने वालों को, अनाप-शनाप लाभ पहुंचाएं तो इसे अवश्य रेवड़ी संस्कृति कहा जाना चाहिए। ऐसा करना निश्चित रूप से देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक है। श्रीलंका में ऐसा ही हुआ जहां पर सरकार ने विदेशों से अनाप-शनाप कर्जा लेकर अपने समर्थकों को सब सुविधायें मुफ्त बांटी। इसका लाभ केवल सत्ताधारी परिवार के लोगों को मिला। जैसी संभावना थी, लोगों ने एक सीमा से अधिक होने पर इसका प्रतिकार किया। अंतत: शासकों को सत्ता छोड़ कर देश से भागना पड़ा।

कुल मिलाकर प्रश्न केवल सरकारी खजाने के उपयोग की प्राथमिकता तय करने का है। यदि आप कुछ गिने-चुने घरानों के लाखों करोड़ रुपए माफ कर दें तो वह अवश्य ही अनुचित है किंतु यदि बिना किसी भेदभाव के निर्धन लोगों को शिक्षा और स्वास्थ नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाए तो उसे उनका अधिकार मान कर दिया जाना होगा। अच्छी सरकार वही होगी जो करों से प्राप्त राशि का उपयोग इस प्रकार से करे कि देश में असमानता कम हो। सभी नागरिक इस प्रकार की क्षमता को प्राप्त कर सकें कि उन पर, सरकार को अनुदान देने की आवश्यकता कम से कम होती चली जाए।

इस वर्ष जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो इस विषय पर चर्चा अवश्य होनी चाहिए कि देश के खजाने पर पहला अधिकार किसका है? क्या उन बड़े उद्योगपतियों का एवं उद्यमियों का जिन्होंने अपनी आय में कोरोना काल में भी बहुत तेजी से वृद्धि की अथवा उन लोगों का, जिन्होंने कोरोना जैसे काल में अपना रोजगार खोया और जिनकी आमदनी भी पहले से बहुत कम हो गई? क्या सही है और क्या गलत, इसी का निर्णय उपयुक्त नहीं होने का परिणाम है कि समानता के पैमाने पर देश की स्थिति पहले से भी खराब हुई है। यह अवश्य है कि निर्धनता की पहचान करने के मापदंड को सही बनाया जाए एवं भ्रष्टाचार का इस पूरे व्यवस्था में कोई स्थान ना हो। जब किसानों का कर्जा माफ किया जाए तो उसे रेवड़ी बांटना कहा जाए और बड़े घरानों का लाखों करोड़ का कर्जा माफ कर दिया जाए तो उसे देश के विकास हेतु आवश्यक बताया जाए, ऐसी सोच सदैव संदेह के घेरे में रहेगी।

यही सिद्धांत न्यायपालिका पर भी लागू होता है। यदि न्यायाधीश स्वयं के संबंध में निर्णय कर अपनी सेवा के दौरान एवं सेवानिवृत्ति के पश्चात वाली सुविधाओं में कई गुना वृद्धि करते हैं तो इसे भी यही कहा जाएगा कि देने वाले ही स्वयं के लिए जनता के धन का उपयोग कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के इस कथन का सभी समर्थन करेंगे कि रेवड़ी बांटने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए, किन्तु यक्ष प्रश्न यही है कि रेवड़ी बांटना किसे कहा जाएगा और असमानता दूर करने के आवश्यक जन कल्याण कार्य किसे?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

गांधी के सपनों का भारत

सुरेंद्रसिंह शेखावत

स्वाधीनता की पचहतरवीं सालगिरह मानते हुए आजादी के आंदोलन के सेनापति महात्मा गांधी के सपनों के भारत की कल्पना कितनी साकार हो पाई है इस बात पर विचार करना आवश्यक है।

महात्मा गाँधी बीसवीं सदी के सबसे अधिक प्रभावशाली व्यक्ति हैं; जिनकी अप्रत्यक्ष उपस्थिति उनकी मृत्यु के सत्तर वर्षों से अधिक समय के बाद भी पूरे देश पर देखी जा सकती है। उन्होंने स्वतंत्र भारत की कल्पना की और उसके लिए कठिन संघर्ष किया। स्वाधीनता से उनका अर्थ केवल ब्रिटिश राज से मुक्ति का नहीं था बल्कि वह गरीबी, निरक्षरता और अस्पृश्यता जैसी बुराइयों से मुक्ति का भी था। वह चाहते थे कि देश के सारे नागरिक समान रूप से आज़ादी और समृद्धि का सुख पा सकें।

उनके बहुत-से परिवर्तनकारी विचार, जिन्हें उस समय, असंभव कह परे कर दिया गया था, आज न केवल स्वीकार किये जा रहे हैं बल्कि अपनाए भी जा रहे हैं। आज की पीढ़ी के सामने यह स्पष्ट हो रहा है कि गाँधीजी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उस समय थे।

स्वराज्य का अर्थ -

गांधी के अनुसार , स्वराज्य एक पवित्र शब्द है। जिसका अर्थ आत्मा-शासन और आत्म-संयम है। अंग्रेजी शब्द 'इंडिपेन्स' अक्सर सब प्रकार की मर्यादाओं से मुक्त निरंकुश आजादी का या स्वच्छंदता का अर्थ देता है; वह अर्थ स्वराज्य शब्द में नहीं है।

बापू आगे लिखते है, "स्वराज्य से मेरा अभिप्राय है लोक-सम्पति के अनुसार होने वाला भारतवर्ष का शासन। लोक-सम्पत्ति का निश्चय देश के बालिग लोगों को बड़ी-से-बड़ी तादाद के मत के जरिये हो, फिर वे चाहे स्त्रियाँ हों या पुरुष, इसी देश के हों या इस देश में आकर बस गये हों जिन्होंने अपने शरीरिक श्रम के द्वारा राज्य की कुछ सेवा की हो और जिन्होंने मतदाताओं की सूची में अपना नाम लिखवा लिया हो।...सच्चा स्वराज्य थोड़े लोगों के द्वारा सत्ता कर लेने से नहीं बल्कि जब सत्ता का दुरुपयोग होता हो तब सब लोगों के द्वारा उसका प्रतिकार करने की क्षमता प्राप्त करके हासिल किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में स्वराज्य जनता में इस बात का ज्ञान पैदा करके प्राप्त किया जा सकता है कि सत्ता पर कब्जा करने और उसका नियमन करने की क्षमता उसमें है।"

आखिर स्वराज्य निर्भर करता है हमारी आतंरिक शक्ति पर, बड़ी-से-बड़ी कठिनाइयों से जूझने की हमारी ताकत पर। सच पूछो तो वह स्वराज्य, जिसे पाने के लिए अनवरत प्रयत्न और बचाये रखने के लिए सतत् जागृति नहीं चाहिये, स्वराज्य कहलाने के लायक ही नहीं है।

गांधी के सपनों का भारत

अपनी किताब 'मेरे सपनों का भारत' में गांधी लिखते है कि भारत की हर चीज मुझे आकर्षित करती है। सर्वोच्च आकांक्षायें रखने वाले किसी व्यक्ति को अपने विकास के लिए जो कुछ चाहिये, वह सब उसे भारत में मिल सकता है। भारत अपने मूल स्वरूप में कर्मभूमि है, भोगभूमि नहीं। भारत दुनिया के उन इने-गिने देशों में से है, जिन्होंने अपनी अधिकांश पुरानी संस्थाओं को, कायम रखा है। साथ ही वह अभी तक अन्ध-विश्वास और भूल-भ्रान्तियों की इस काई को दूर करने की और इस तरह अपना शुद्ध रूप प्रकट करने की अपनी सहज क्षमता भी प्रकट करता है। उसके लाखों करोड़ों निवासियों के सामने जो आर्थिक कठिनाइयाँ खड़ी हैं, उन्हें सुलझा सकने की उनकी योग्यता में मेरा विश्वास इतना उज्जवल कभी नहीं रहा जितना आज है।

भारत का ध्येय -

गांधी कहते हैं, मेरा विश्वास है कि भारत का ध्येय दूसरे देशों के ध्येय से कुछ अलग है। भारत में ऐसी योग्यता है कि वह धर्म के क्षेत्र में दुनिया में सबसे बड़ा हो सकता है। भारत ने आत्मशुद्धि के लिए स्वेच्छापूर्वक जैसा प्रयत्न किया है, उसका दुनिया में कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। भारत को फौलाद के हथियारों की उतनी आवश्यकता नहीं है; वह हथियारों से लड़ा है और आज भी वह उन्हीं हथियारों से लड़ सकता है। दूसरे देश पशुबल के पुजारी रहे हैं। यूरोप में अभी जो भयंकर युद्ध रहा है, वह इस सत्य का एक प्रभावशाली उदाहरण है। भारत अपने आत्मबल से सबको जीत सकता है। इतिहास इस सच्चाई को चाहे जितने प्रमाण दे सकता है कि पशुबल आत्मबल की तुलना में कुछ नहीं है। कवियों ने इस बल की विजय के गीत गाये हैं और ऋषिओं ने इस विषय में अपने अनुभवों का वर्णन करके उसकी पुष्टि की है।

यदि भारत तलवार की नीति अपनाये, तो वह क्षिणक सी विजय पा सकता है। लेकिन तब भारत मेरे गर्व का विषय नहीं रहेगा। मैं भारत की भक्ति करता हूँ, क्योंकि मेरे पास जो कुछ भी है वह सब उसी का दिया हुआ है। मेरा पूरा विश्वास है कि उसके पास सारी दुनिया के लिए एक सन्देश है। उसे यूरोप का अन्धानुकरण नहीं करना है। भारत के द्वारा तलवार का स्वीकार मेरी कसौटी की घड़ी होगी। मैं आशा करता हूँ कि उस कसौटी पर मैं खरा उतरूँगा। मेरा धर्म भौगोलिक सीमाओं से मर्यादित नहीं है। यदि उसमें मेरा जीवंत विश्वास है तो वह मेरे भारत-प्रेम का भी अतिक्रमण कर जायेगा। मेरा जीवन अहिंसा-धर्म के पालन द्वारा भारत की सेवा के लिए समर्पित है।

यदि भारत ने हिंसा को अपना धर्म स्वीकार कर लिया और यदि उस समय मैं जीवित रहा, तो मैं भारत में नहीं रहना चाहूँगा। तब वह मेरे मन में गर्व की भावना उत्पन्न नहीं करेगा। मेरा देशप्रेम मेरे धर्म द्वारा नियंत्रण है। मैं भारत से उसी तरह बंधा हुआ हूँ, जिस तरह कोई बालक अपनी माँ की छाती से चिपटा रहता है; क्योंकि मैं महसूस करता हूँ कि वह मुझे मेरा आवश्यक आध्यात्मिक पोषण देता है। उसके वातावरण से मुझे अपनी उच्चतम आकांक्षाओं की पुकार का उत्तर मिलता है। यदि किसी कारण मेरा विश्वास हिल जाय या चला जाय, तो मेरी दशा उस अनाथ के जैसी होगी जिसे अपना पालक पाने की आशा ही न रही हो।

बलवान भारत की कल्पना -

गांधी कहते है, "मैं भारत को स्वतंत्र और बलवान बना हुआ देखना चाहता हूँ, क्योंकि मैं चाहता हूं कि वह दुनिया के भले के लिए स्वेच्छापूर्वक अपनी पवित्र आहुति दे सके। भारत की स्वतंत्रता से शांति और युद्ध के बारे में दुनिया की दृष्टि में जड़मूल से क्रांति हो जायेगी। उसकी मौजूदा लाचारी और कमजोरी का सारी दुनिया पर बुरा असर पड़ता है।"

मैं यह मानने जितना नम्र तो हूँ ही कि पश्चिम के पास बहुत कुछ ऐसा है, जिसे हम उससे ले सकते हैं, पचा सकते हैं और लाभान्वित हो सकते हैं। ज्ञान किसी एक देश या जाति के एकाधिकार की वस्तु नहीं है। पश्चात्य सभ्यता का मेरा विरोध असल में उस विचारहीन और विवेकाहीन नकल का विरोध है, जो यह मानकर की जाती है कि एशिया-निवासी तो पश्चिम से आने वाली हरेक चीज की नकल करने जितनी ही योग्याता रखते हैं।....मैं दृढ़तापूर्वक विश्वास करता हूँ कि यदि भारत ने दु:ख और तपस्या की आग में गुजरने जितना धीरज दिखाया और अपनी सभ्यता पर- जो अपूर्ण होते हुए भी अभी तक काल के प्रभाव को झेल सकी है-किसी भी दिशा से कोई अनुचित आक्रमण न होने दिया, तो वह दुनिया की शांति और ठोस प्रगति में स्थायी योगदान कर सकती है।

भारत का भविष्य पश्चिम के उस रक्त-रंजित मार्ग पर नहीं है जिस पर चलते-चलते पश्चिम अब खुद थक गया है; उसका भविष्य तो सरल धार्मिक जीवन द्वारा प्राप्त शांति के अहिंसक रास्ते पर चलने में ही है। भारत के सामने इस समय अपनी आत्मा को खोने का खतरा उपस्थित है। और यह संभव नहीं है कि अपनी आत्मा को खोकर भी वह जीवित रह सके।

पश्चिम के अंधानुकरण का विरोध -

गांधी कहते है कि यूरोपीय सभ्यता बेशक यूरोप के निवासियों के लिए अनुकूल है; लेकिन यदि हमने उसकी नकल करने की कोशिश की, तो भारत के लिए उसका अर्थ अपना नाश कर लेना होगा। इसका मतलब यह नहीं कि उसमें जो कुछ और हम पचा सकें ऐसा हो, उसे हम लें नहीं या पचायें नहीं। इसी तरह उसका यह मतलब भी नहीं है कि उस सभ्यता में जो दोष घुस गये हैं, उन्हें यूरोप के लोगों को दूर नहीं करना पड़ेगा। शारीरिक सुख-सुविधाओं की सतत खोज और उनकी संख्या में तेजी से हो रही वृद्धि ऐसा ही एक दोष है; और मैं साहसपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि जिन सुख-सुविधाओं के वे गुलाम बनते जा रहे हैं उनके बोझ से यदि उन्हें कुचल नहीं जाना है, तो यूरोपीय लोगों को अपना दृष्टिकोण बदलना पड़ेगा। संभव है मेरा यह निष्कर्ष गलत हो, लेकिन यह मैं निश्चयपूर्वक जानता हूँ कि भारत के लिए इस सुनहरे मायामृग के पीछे दौड़ने का अर्थ आत्मनाश के सिवा और कुछ न होगा। हमें अपने हृदयों पर एक पाश्चात्य तत्त्वनाश का यह बोधवाक्य अंकित कर लेना चाहिये- 'सादा जीवन उच्च चिन्तन'। आज तो यह निश्चित है कि हमारे लाखों-करोड़ों लोगों के लिए सुख सुविधाओं वाला जीवन संभव नहीं है और हम मुट्ठी भर लोग, जो सामान्य जनता के लिए चिन्तन करने का दावा करते हैं, सुख-सुविधाओं वाले उच्च जीवन की निरर्थक खोज में उच्च चिन्तन को खोने का जोखिम उठा रहे हैं।

भेदभाव रहित भारत का विचार -

गांधी के विचार में हम ऐसे भारत के बारे में सोचते है जिसमे गरीब-से-गरीब लोग भी यह महसूस करेंगे कि यह उनका देश है-जिनके निर्माण में उनकी आवाज का महत्त्व है। मैं ऐसे भारत के लिए कोशिश करूँगा। जिसमें ऊँचे और नीचे वर्गों का भेद नहीं होगा और जिसमें विविध सम्प्रदायों में पूरा मेलजोल होगा। ऐसे भारत में अस्पृश्यता के अभिशाप के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। उसमें स्त्रियों को वही अधिकार होंगे जो पुरुषों को होंगे। यह है मेरे सपनों का भारत।... इससे भिन्न किसी चीज से संतोष नहीं होगा।

-सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता है तथा गांधी पर रिसर्च स्कॉलर है ।)

सूची में नाम होने के बाद भी पत्रकार का नहीं किया सम्मान

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर में आयोजित हुए उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सूची में तय नाम के बाद भी सम्मान नहीं करके एक पत्रकार का अपमान करने के मामले में नगरवासियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग की गई कि किस वजह से सूची में तय नाम होने के बाद हटाया गया और सम्मान नहीं करके युवा पत्रकार का जिस प्रकार अपमान किया गया हैं इसके लिए उपखण्ड प्रशासन लिखित माफी मांगें।

ज्ञापन में बताया कि 15 अगस्त को भीण्डर में आयोजित उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले प्रतिभाओं की सूची भीण्डर उपखण्ड कार्यालय से हस्ताक्षरशुदा 14 अगस्त शाम 6 बजे सार्वजनिक की गई थी। जिसमें पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भीण्डर के पत्रकार महेन्द्र सिंह राठौड का नाम भी शामिल था। लेकिन अगले दिन 15 अगस्त को आयोजित हुए कार्यक्रम में महेन्द्र सिंह राठौड का नाम ना तो पुकारा गया और ना ही प्रशासन द्वारा सम्मान किया गया। जिससे युवा पत्रकार महेन्द्र सिंह राठौड का सम्मान नहीं करके एक तरह से अपमान किया गया हैं जो निंदनीय है। प्रशासन द्वारा सूची जारी होने के बाद राजनीतिक द्वेषता के चलते प्रशासन पर दबाव बनाकर नाम हटाना एक ओछी राजनीतिक दर्शाता है। सूची में नाम होने के बाद भी सम्मान नहीं करने का क्या कारण रहा और सूची में नाम होने के बाद भी सम्मान नहीं करके जिस प्रकार अपमानित किया गया हैं, इसके लिए प्रशासन सार्वजनिक तौर पर माफी पत्र जारी करें।

ज्ञापन देने के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाशंकर शर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष व पार्षद गोवद्धनलाल भोई, पार्षद सुरेश कंठालिया, पार्षद अशोक सोनी, इन्द्रलाल फान्दोत, नरेन्द्र वाणावत, किशनलाल अहीर, प्रेमसिंह चौहान, महेन्द्र लक्षकार, हिमांशु राजमाली, महेन्द्र सिंह पंवार, पार्षद ओमप्रकाश भोई, पार्षद जितेन्द्र साहु, पार्षद मोहन मीणा, बंशीलाल खटीक, मुकेश पण्डिया, नरेश धर्मावत, विशाल जैन, रत्नेश कोठारी, कन्हैयालाल चौबीसा, पवन मंदावत, कैलाश जांगीड, हातिम बोहरा, खोजेमा बोहरा, चमन सोनी, तेजसिंह शक्तावत, चक्रवीरसिंह शक्तावत, दीपक चौबीसा, अशोक धर्मावत, मंगल कुमार दाता, लक्ष्मण कीर, गोपाल विजावत, चेतन भोई, राहुल प्रजापत, लोकेश भोई, अनिल चव्हाण, विरेन्द्र दक, कालुलाल जाट, राजु अहीर, नरेश अहीर, भंवरलाल अहीर, शांतिलाल अहीर, नंदलाल अहीर, प्रवीण मेघवाल, हेमंत यादव सहित सैकडों नगरवासी उपस्थित थे।

जवाई बांध का जलस्तर 39 फीट पहुंचा 24 घंटे में पांच फीट पानी आया

जवाई की सहायक नदियां पूरे वेग पर, सेइ बांध ओवरफ्लो होकर छलकने लगा

पाली, (निसं)। पिछले 2 सालों से कम बारिश के कारण पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े बांध जवाई बांध का जलस्तर 6 फीट पहुंच गया था, लेकिन इंद्रदेव की मेहरबानी से इस बार लगातार बारिश होने से नदियां बहने लगी और बांध का पानी बढ़ता जा रहा है।

पिछले दो दिन जवाई क्षेत्र में अच्छी बारिश के कारण मंगलवार तक बेड़ा नदी व सहायक नदियां पूरे वेग से बहने के कारण 24 घंटे में 5 फीट पानी बढ़ गया। मंगलवार शाम 5:00 बजे तक 39 फीट पहुंच गया, जिससे करीब डेढ़ साल का पानी आ गया है। जवाई भराव के कारण जिले वासियों जलदाय विभाग सिंचाई विभाग सभी के चेहरे खिल उठे हैं।

- **जवाई बांध भराव के कारण जिले वासियों जलदाय विभाग सिंचाई विभाग व सभी के चेहरे खिल उठे हैं**

अभी बारिश का दौर जारी है। शायद आगामी दिनों में बांध भरने से गेट खोलने पड़े। उधर सेइ बांध ओवरफ्लो होकर छलकने लगा है। जिले के सभी बांध में पानी आया है।

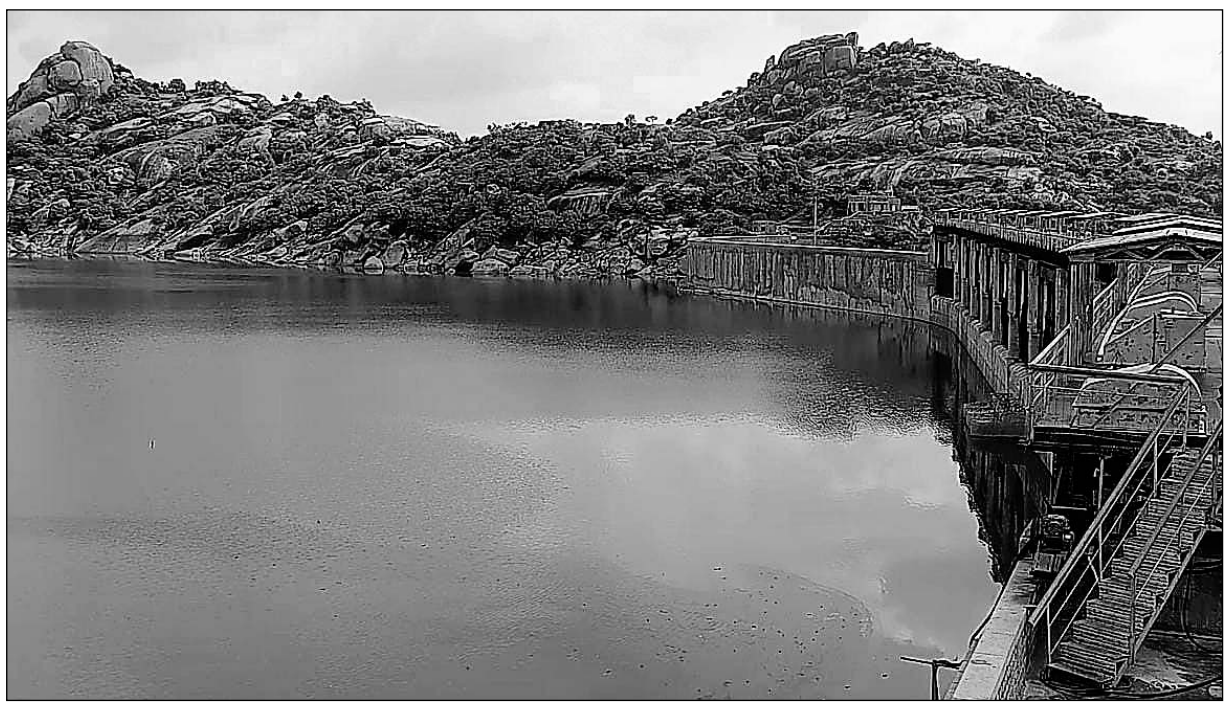

पिछले 2 सालों से कम बारिश के कारण पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े बांध जवाई बांध पानी का आवक शुरू हुई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 17 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 9:57 तक, गंड योग रात्रि 8:56 तक, गर करण प्रात: 8:21 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:23 तक है, रात्रि 9:57 से पुन: आरम्भ होगा। कुमार योग रात्रि 8:25 तक है। राजयोग रात्रि 9:57 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:25 से गुरूवार प्रात: 8:53 तक रहेगी। आज भाद्रपद संक्रांति, सूर्य मघा सिंह में प्रवेश प्रात: 7:23 पर करेगा। पुण्य काल दिन 1:47 तक है। आज चान्द छठ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:40 पर होगा। आज हल षष्ठि, बलदेव जयन्ती, ललही छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:17 तक, शुभ 10:54 से 12:31 तक, चर 3:45 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:54

मेष

कुछ समय से चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या

अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तुला

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। घर-परिवार में चल रहे वाद-विवाद समाप्त होंगे।

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

(NABH प्रमाणित)

बेहतरीन उपचार एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आपके लिए

हैं तैयार हम

नि:शुल्क डिलीवरी
(सामान्य एवं सिजेरियन)
(नवजात शिशु की सम्पूर्ण सुरक्षा के साथ)

इन योजनाओ के अंतर्गत आने वाले लाभार्थी PMCH के उपरोक्त विभागों में कैशलेस उपचार की सुविधा का फ़ायदा उठा सकते है

मल्टीस्पेशिलिटी सुविधा

- जनरल मेडिसिन विभाग
- अस्थिरोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग
- नेत्र विभाग
- नाक-कान-गला विभाग
- प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग
- चर्मरोग विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कापिक सर्जरी विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग

स्वास्थ्य योजनाएं

- RGHS राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना
- चिरंजीवी — मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना MMCSBY
- जननी सुरक्षा योजना JSY
- कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC

सुपरस्पेशिलिटी सुविधा

- हृदयरोग विभाग
- मूत्ररोग विभाग
- गुर्दा रोग विभाग
- कैंसर विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग
- मधुमेह, थाइराइड एवं हार्मोन्स रोग विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

- दन्त चिकित्सा विभाग
- फिजियोथैरेपी

सभी इंश्सोरेन्स कंपनी और महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) के लिए केशलेस इलाज की सुविधा

*नियम व शर्ते लागू

STAR Health Insurance — The Health Insurance Specialist | BAJAJ Allianz | RELIGARE Health Insurance | Cigna TTK Health Insurance | HDFC ERGO Take it easy! | Universal Sompo General Insurance Co. Ltd. | care HEALTH INSURANCE Health ki Guarantee | RELIANCE General Insurance | Apollo Munich HEALTH INSURANCE | ADITYA BIRLA HEALTH | SBI General INSURANCE | Royal Sundaram General Insurance | TATA AIG INSURANCE WITH YOU ALWAYS | UnitedHealthcare PAREKH | MedSave INDIA | Medi Assist | MD India | Paramount Health | HERITAGE HEALTH | नेशनल इन्श्योरेन्स National Insurance

ई.ई.जी. | ई.एम.जी. | कलर डोप्लर | सीटी स्केन | एम.आर.आई. | डायलिसिस सभी तरह की खून एव मूत्र की जांचे एवं ईको कार्डियोग्राफी की सुविधा | फिजियोथेरेपी की सुविधा

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001
फोन: 0294-3520000, 9828144314

उदयसागर के गेट छह फीट खोले, वल्लभनगर बांध लबालब

उदयपुर में एक इंच व जयसमंद में पांच इंच बारिश, जयसमंद झील में पानी की आवक शुरू

उदयपुर, (कासं)। प्रदेश में भारी बारिश के अलर्ट के बीच उदयपुर शहर सहित पूरे जिले में दो दिन से बरसात का दौर जारी है। सोमवार को दिन में हुई बारिश के बाद देर रात 1.30 बजे मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ जो मंगलवार दिनभर रुक-रुक कर जारी रहा। शाम 5 बजे तक जयसमंद में पांच इंच से अधिक (132) मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

लेकसिटी की फतहसागर, पीछोला व उदयसागर झीलें लबालब होने के बाद अब एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील जयसमंद में भी आवक शुरू हो गई। सर्वाधिक बारिश जयसमंद में 132 मिमी रिकॉर्ड की गई। जयसमंद झील को भरने वाली प्रमुख नदी झामरी उफान पर है। यह नदी पुलिया के ऊपर बह रही है। जयसमंद झील का जलस्तर 15 फीट 5 इंच हो गया है। साढे 27 फीट क्षमता वाली इस झील में आवक तेज हो गई है। यह अभी 12 फीट खाली है।

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता (गिर्वा) निर्मल मेघवाल ने बताया कि पीछोला झील के जलस्तर को 10 फीट 2 इंच बनाकर रखा गया है और इसमें सीसारमा नदी से हो रही आवक को स्वरूपसागर के तीन गेट खोलकर आयड़ नदी में छोड़ा जा रहा है। स्वरूपसागर के आज एक गेट बंद कर दिया गया वहीं दो गेट सवा फीट व एक गेट 6 इंच खुला हुआ है। फतहसागर में मदार नहर से हो रही हल्की आवक के चलते इस पर 3 इंच की चादर चल रही है। सीसारमा नदी जो सुबह 3 फीट बह रही थी उसका वेग बढ़ कर 4 फीट 2 इंच हो गया है। इधर, झीलों के छलकने से आयड़ नदी से हो रही आवक के चलते उदयसागर के दोनों गेट छह-छह फीट खोल दिए गए।

उदयपुर में लगातार बारिश व आयड़ नदी से हो रही पानी की आवक के चलते उदयसागर के दोनों गेट छह फीट खोल दिए गए।

- जयसमंद को भरने वाली झामरी नदी उफान पर, सीसारमा 4 फीट 2 इंच

सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार जिले में शाम 5 बजे तक केचमेंट के कई हिस्सों में अच्छी बारिश के समाचार मिले है। उदयपुर शहर में 25 मिमी, झाड़ोल 22, ओगणा 30, कोटड़ा 24, स्वरूपसागर 16, उदयसागर 25, वल्लभनगर 65 मिमी बारिश हुई। वहीं सुबह 8 बजे तक समाप्त बीते 24 घंटों में स्वरूपसागर पर 17, देवास प्रथम 22, मदार 29, नाई 20, उदयसागर 19, वल्लभनगर 53, बागोलिया के 25 मिमी बरसात हुई।

हाइवे पर पूर्व विधायक पर तानी पिस्तौल, कार पर पत्थर मारा

अजमेर, (कासं)। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित नारेली पुलिया के पास रविवार देर रात जालौर की पूर्व भाजपा विधायक अमृता मेघवाल पर हमले के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने उन पर पिस्तौल तान दी और उनकी कार का शीशा तोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस ने नाकाबंदी करवा दी, लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर विकास सांगवान अलवर गेट पुलिस थाने पर पहुंच गए।

मेघवाल ने इस संबंध में अलवर गेट पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। मेघवाल ने बताया कि रविवार की रात वह जयपुर स्थित अपने घर से अपनी स्कॉर्पियो में सवार होकर जालौर जा रही थी उस दौरान रात करीब 8:45 बजे जब वह नारेली बाईपास पर पहुंची तो एक बोलेरो कार उनकी कार को ओवरटेक किया। कार में बैठे लोगों में से एक ने हाथ देकर उनकी कार को रुकवाया। चालक कन्नू शर्मा ने पहचान के लोग होना समझकर स्कॉर्पियो कार को सडक के एक तरफ रोक लिया। तभी बोलेरो कार में से चार पांच लोग उतरे और उनमें से एक ने स्कॉर्पियो का शीशा उतरवाकर पूर्व विधायक मेघवाल पर पिस्तौल तान दी और उन्हें अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। एक हमलावर ने पत्थर उठाकर स्कॉर्पियो का शीशा तोड़ दिया और सभी हमलावर बोलेरो में सवार होकर ब्यावर रोड की ओर पुरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- आरोपी फरार, पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी

10 माह पूर्व भी किया गया था जानलेवा हमला:- अमृता मेघवाल ने बताया कि दस माह पहले भी उन पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया गया और वो आरोपी भी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं ऐसे में जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं है, उन्होंने कहा कि अब तक मैं जिंदा हूं, तो सबके सामने बोल रही हूं, लेकिन कब मेरी सांस रुक जाए, इसका कोई पता नहीं है। ऐसे में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

मनरेगा श्रमिक की मौत, मामला दर्ज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत नाथूसर में मनरेगा काम पर गई महिला श्रमिक की मौत हो गई। हेड कांस्टेबल मोहन लाल ने बताया कि मेट किरण ने सूचना दी कि नाथूसर निवासी सुरजी देवी रेगर मंगलवार को खेल मैदान के पास चल रहे जोहड़ी खुदाई का काम कर रही थी। जिसकी करीब साढे 11 बजे अचानक तबीयत खराब होने पर अस्पताल लेकर आए व परिजन को सूचना दी। अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने श्रमिक की जंच कर मृत घोषित कर दिया।

आज भारी बारिश की संभावना

जोधपुर, (कासं)। दक्षिण पश्चिमी मानसून और बंगाल की खाड़ी पर बने कम दवाबी क्षेत्र से पश्चिमी राजस्थान में बुधवार तक भारी बारिश की संभावना व्यक्त करने के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इधर मारवाड़ पर मंगलवार को भी मानसून पूरी तरह मेहरबानी बरसाता रहा। जोधपुर शहर और गांवों में आज कहीं सामान्य तो कहीं मूसलाधार बारिश होती रही। जिससे सडक़ों पर पानी एकत्र होता रहा। पैदल राहगीरों सहित वाहन चालकों को इससे परेशानी उठानी पडी। मौसम विभाग ने 17 अगस्त तक पश्चिमी राजस्थान में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी थी। इससे बुधवार को भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। जोधपुर शहर के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह, दोपहर और शाम हुई अच्छी बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग का मानना है कि पश्चिमी मध्य प्रदेश पर बना अति कम हवा का दबाव धीरे-धीरे राजस्थान की तरफ बढ़ रहा है। आगे बढ़ते हुए इसके कमजोर पड़ने की संभावना है। यह दो दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 अगस्त के बाद एक बार मानसूनी गतिविधियां थम जाएगी।

मिड-डे-मील पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रिपोर्ट तलब की

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्याययालय ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों को दिए जा रहे मिड डे मील की गुणवत्ता रिपोर्ट तलब की है। हाईकोर्ट ने जोधपुर की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लीगल एड एवं अवेयरनेस कमेटी की ओर से मुख्य न्यायाधीश को इस बारे में पत्र भेजकर मिड डे मील की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। उच्च न्यायालय ने स्वप्रेरणा से याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार से प्रत्येक संभाग की तीन सरकारी स्कूलों में गत तीन माह में गुणवत्ता जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। साथ ही स्कूल प्रबंधन कमेटी को लेकर उनकी ओर से लिए गए फैसलों की रिपोर्ट भी पेश करने का आदेश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश को भेजा पत्र:- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की लीगल एंड व अवेयरनेस कमेटी ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेज स्कूलों में दिए जा रहे मिड डे मिल की गुणवत्ता को खराब बताया था। कमेटी की और से सरकारी स्कूलों में बच्चों को देय सुविधाओं को लेकर वर्ष 2017 में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में कहा गया था कि स्कूलों में बच्चों को मूलभूत सुविधाओं जैसे पानी व टॉयलेट के लिए भटकना पड रहा है।हाईकोर्ट ने मार्च 2020 में एक कमेटी गठित कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था।

- अगली सुनवाई अक्टूबर में

आदेश पर सदस्य बनाए गए:- हाईकोर्ट के आदेश पर शिक्षा विभाग के अधिकारी सहित लीगल एड के अधिकारियों को भी इसका सदस्य बनाया गया था। इस कमेटी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के छात्र भी शामिल थे। इन छात्रों ने ही जोधपुर जिले की 107 सरकारी स्कूलों में जाकर वहां उपलब्ध सुविधाओं को देखा था। अब इस कमेटी की ओर से सरकारी स्कूलों में सुधार को लेकर एक रिपोर्ट पेश की गई है। इसमें कहा गया कि स्कूलों में पीने के पानी, टॉयलेट सुविधाओं का अभाव है। साथ ही कई स्कूलों का चारदीवारी भी नहीं है। वहीं उपलब्ध संसाधनों का भी पूरी तरह से उपयोग नहीं हो रहा है। इस सर्वे में में स्कूल प्रबंधन कमेटी के निष्क्रिय होने पर सवाल उठाया गया। साथ ही कहा गया कि कोरोना काल में यह पूरी तरह से बंद हो गई। इसे अब वापस से शुरू किया जाना आवश्यक है।

30 सितंबर तक फैसलों की रिपोर्ट पेश करने के आदेश: उच्च न्यायालय में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्रा मोहन श्रीवास्तव व न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि 16 अगस्त से 30 सितम्बर के बीच प्रदेश के सभी संभाग की कम से कम तीन स्कूलों में स्कूल प्रबंधन कमेटी की बैठक में लिए गए फैसलों की रिपोर्ट पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में होगी।

बारिश का दौर रुक-रुककर चला

टोंक (निस)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में सोमवार रात्रि से शुरु बारिश का दौर मंगलवार को दिनभर रुक-रुक चलता रहा है, जिससे मौसम में ठंडक का अहसास रहा और लोग बारिश के बीच भीगते हुए अपने व छतरियां लेकर अपने रोजमर्रा के कार्य करते हुए नजर आए।

जिला मुख्यालय पर सोमवार रात्रि 9 बजे करीब बारिश का दौर शुरु हो गया और उसके बाद देर रात को फिर से बारिश का दौर रुक-रुक रातभर चलता रहा। बारिश का दौर मंगलवार को सुबह से दिनभर तक रुक-रुक कर अभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा है। जिसके लोग लोग सुबह बारिश के चलते अपने रोजमर्रा के कार्यो को करने में भी परेशान रहे। बारिश के चलते लोग छतरियां लेकर अपने कार्य कार्य करते हुए नजर आएं और अपने साथ छतरी रखकर अपने कार्य करते हुए नजर आएं। कई लोग बरसाती कोर्ट पहनकर अपने कार्य करते हुए नजर आएं। जिसके बाद शाम साढे 4 बजे बाद झमाझम बारिश का दौर चला। सुबह से शाम तक रुक-रुक बारिश का दौर चलते रहने से मौसम में ठंडक का अहसास हुआ।

बाइक से टकराने के बाद वैन पलटी, आधा दर्जन घायल

दूदू छाण स्टेट हाइवे पर अनियंत्रित हो बाइक से टक्कर के बाद पलटी वैन।

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर पचेवर थाना क्षेत्र के बालापुरा मोड के पास मंगलवार को हुई वैन व बाइक में भिड़ंत हादसे में घायल आधा दर्जन लोगों को मालपुरा के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया।

पचेवर थानाधिकारी रतन सिंह ने बताया कि मंगलवार की सवेरे ढीबरू से दूदू कोर्ट मे तारीख पेशी के लिए वैन में सवार होकर जा रहे लोगों की वैन के सामने अचानक दौडकर भैंस आ जाने पर भैंस को बचाने के दौरान सामने से आ रही मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई। बाइक व वैन में हुई भिड़ंत के बाद वैन अनियंत्रित हो पलटी खा गई। हादसे में वैन सवार भूरा गुर्जर, जड़ाव गुर्जर, रूकमा गुर्जर व धनराज गुर्जर निवासी ढीबरू एवं बाइक चालक पन्नालाल जैन निवासी पचेवर घायल हो गये। राहगीरों की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल सभी घायलों को एम्बूलेंस की सहायता से मालपुरा के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया।

मर्डर के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

अलवर, (निसं)। मेटल बिजनेसमैन के मर्डर में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। मर्डर के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने बताया कि सब कुछ प्लान बनाकर किया गया। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की मूवी दृश्यम के प्लॉट पर व्यापारी को मारकर उसके शव को ठिकाने लगाया गया, लेकिन एक चूक ने आरोपियों को पुलिस के फंदे तक पहुंचा दिया।

जानकारी के अनुसार दस अगस्त को अलवर के बिजनेसमैन मंगत अरोड़ा पुराने बकाया की वसूली के लिए रेवाड़ी गए थे। यहां स्क्रैप कारोबारी अंकित भालिया ने दो साथियों के साथ मिलकर मंगत का मर्डर कर लाश गोदाम में गाड़ दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पूरे एक महीने पहले ही अपने गोदाम में व्यापारी के साइज का गड्ढा खोदकर रखा गया था। रेवाड़ी सदर थाने के एएसआई मनीष ने बताया कि अंकित ने मंगत (50) के मर्डर की साजिश 1 महीना पहले ही रच ली थी। घटना से 30 दिन पहले अपने गोदाम में 4 फीट गहरा गड्ढा खुदवा लिया था। उसने अपने दो साथियों रेवाड़ी निवासी दीपक उर्फ दीपू और रिश्तेदार मनोज को 3 लाख रुपए की सुपारी भी दे दी थी।

- दृश्यम फिल्म देख बिजनेसमैन ने व्यापारी का मर्डर प्लान किया
- लाश जमीन में दफना फर्श बना दिया, पुलिस को भटकाने के लिए मोबाइल कंटेनर में छुपाया

कॉल की डिटेल निकाली तो अंकित ने मंगत से कहा था कि गोदाम पर मनोज और दीपक हैं। आपके नाश्ते पानी की व्यवस्था कर दी है। नाश्ता करें। कॉल रिकॉर्ड में अंकित का झूठ पकड़ आ गया। क्योंकि उसने कहा था कि मंगत उसके घर से 11 बजे ही 12 लाख रुपए लेकर निकल गया था। मनोज व दीपक का कॉल में जिक्र हुआ तो पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

युवक का क्षत-विक्षत शव मिला

मासलपुर, (निसं)। मासलपुर खेड़ा सड़क मार्ग से सटे गुबरेडा वन खंड की झाड़ियों में सोमवार देर शाम एक युवक का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक मनराज मीणा, मासलपुर थाना अधिकारी पुरुषोत्तम सिंह, खेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी मलखान मीणा सहित भारी पुलिस बल सहित एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची जहां टीम ने हत्या के साक्ष्य जुटाए पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त की कोशिश की। मगर देर रात तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।

भाजपा सांसद ने स्वतंत्रता दिवस को गणतंत्र दिवस बताया

बयाना, (निसं)। देश की आजादी को 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जहां 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

- सोशल मीडिया पर विडियो वायरल

वहीं सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडिया धूम मचा रहा है जिसमें क्षेत्रीय सांसद रंजीता कोली इसे गणतंत्र दिवस बताते हुए कह रही है है कि आज के दिन हमें संविधान मिला था और यही संविधान है जो हमें अलग अलग जाति धर्मो के होने के बाद भी जोड़े रखता है। हालांकि इस वीडियों में सांसद अपने इस भाषण को आरंभ में पढ़ कर बोलती नजर आ रही है। उनकी जबान दो बार फिसलने से वह स्वतंत्रता दिवस को गणतंत्र दिवस बोल गई वहीं एक बार इसे 75 वां स्वतंत्रता दिवस भी बता दिया। वे कस्बे के एक निजी स्कूल में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रही थी। तो उपस्थित छात्र छात्राएं व शिक्षक भी अचंभित से मुंह ताक रहे थे।

डिमिया बांध चार दिन से ओवरफ्लो

डूंगरपुर, (निसं)। जिले भर में सोमवार रात से प्रारंभ हुआ वर्षा का दौर मंगलवार को दिन भर रूक-रूक कर मध्यम तेज गति के साथ चलता रहा। इस दौरान डूंगरपुर -सागवाडा मार्ग पर भेड माता के निकट मोरन नदी के पूल पर पूरे वैग के साथ पानी पूल के उपर से बहता रहा। और इस दौरान राजस्थान रोडवेज की एक बस के चालक ने यात्रियों की जान को जोखम में डालते हुए पूल पार करने का दुस्साहस किया। जिसका विडियों जमकर सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है। वही दूसरी ओर राजस्थान और गुजरात की सीमा पर शयामलाजी हाईवे मार्ग पर पूल पर अत्यधिक बारिश के कारण बह रहे पानी ने दोनो तरफ से मार्ग को दोपहर बाद से जाम कर दिया है। जिसके चलते एन.एच.-48 पर सैकेडो वाहन फंस गये तथा अहमदाबाद जाने वाले यह मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। जिसके चलते अब वाहनधारी दूसरे मार्गो से अहमदाबाद व उदयपुर आ रहे है।

पिछले एक सप्ताह से मानसून सक्रिय है। जिले में रुक-रूक कर बारिश का दौर चल रहा है। अच्छी बारिश के बाद जिले में नदी-नाले उफान पर बह रहे हैं। जिले भर में मंगलवार सुबह भी बारिश शुरू हो गईए जिसके कारण कामकाजी लोगों और स्कूली बच्चों को परेशानी हुई। सागवाडा और गलियाकोट में सबसे ज्यादा ढाई इंच बारिश हुई है। पानी की अच्छी आवक से जिले में कई नदियां उफान पर है और तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं। डूंगरपुर शहर के प्रमुख जल स्त्रोत डिमिया बांध 4 दिनों से ओवरफ्लो बह रहा है। शहर की 2 नदी पर बने एनीकट भी ओवरफ्लों हो गए हैं। वही कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटो में जिले में 1 इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। सागवाडा और गलियाकोट में ढ ाई-ढ ाई इंच बारिश हुई है। गणेशपुर में सवा दो इंच, डूंगरपुर में 23 एमएम, देवल में 16 एमएम, कनबा में 8 एमएम, धंबोला में 25 एमएम, वैंजा में 16 एमएम, चिखली में 33 एमएम, आसपुर में 19 एमएम, साबला में 11 एमएम, निठाउवा में 18 एमएम और फलोज में 34 एमएम बारिश हुई है।

कोटा बैराज के 10 गेट खोले

कोटा (निसं)।चंबल नदी के सबसे बड़े बांध मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले स्थित गांधी सागर में भारी मात्रा में पानी की आवक हो रही है। इसके चलते वहां से सीजन में पहली बार गेट खोल कर पानी की निकासी शुरू कर दी गई है। शुरुआत में करीब 60 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी जिसे बढ़ाकर शाम 7 बजे 1 लाख 60 हजार क्यूसेक कर दिया गया है।

पानी की निकासी के लिए तीन टरबाइन और 5 सलूज व 3 क्रेस्ट खोले गए हैं। जिसके कारण ही प्रदेश के चित्तौडगढ़ जिले के रावतभाटा में स्थित राणा प्रताप सागर से एक लाख 80 हजार क्यूसेक पानी छोडा जा रहा है। इसके बाद बूंदी जिले में स्थित जवाहर सागर और कोटा बैराज से भी करीब 3 लाख क्यूसेक पानी की निकासी की जाएगी। यह देर रात बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में यह निकासी डेढ़ लाख के आसपास है लेकिन यह रात तक बढ़ कर तीन लाख तक पहुंच जाएगा। इसके चलते ही कोटा से लेकर धौलपुर तक चंबल नदी खतरे के निशान से ऊपर बहेगी।

जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता एजाजुद्दीन अंसारी ने बताया कि कोटा बैराज के भी करीब 10 गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। यह निकासी अभी बढ़ाकर एक लाख के आसपास की गई है। राणा प्रताप सागर बांध से करीब 1,80,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में यह पानी का इनफ्लो जवाहर सागर और कोटा बैराज में भी बढ़ेगा जिससे निकासी बढ़ेगी। इस भारी मात्रा में पानी की निकासी होने के साथ ही कोटा के नयापुरा इलाके की निचली बस्तियों में पानी भरने की संभावना बन गई है। ऐसे में पहले से ही अलर्ट जारी कर दिया गया है। चंबल की रियासत कालीन पुलिया के ऊपर से पानी गुजर गया है। दूसरी तरफ बीते 45 दिनों से ही झरेल के बालाजी की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते कोटा से सवाईमाधोपुर वाया खातौली जाने वाला मार्ग बंद है। आरपीएस डैम के सहायक अभियंता शंकुल राजोरिया का कहना है कि पांच गेट खोल निकासी की जा रही है। यह निकासी भी गांधी सागर बांध से छोड़े गए पानी के चलते ही हो रही है। साथ ही डैम के कैचमेंट एरिया में भी लगातार बारिश का पानी आ रहा है।

- तीन लाख क्यूसेक लीटर पानी छोड़े जाने की संभावना

मंदिर में आरती कर रहे लोगों पर हमला

डूंगरपुर। शहर के भावसारवाडा मंदिर में आरती कर रहे लोगों पर 8 से 10 बदमाशों ने हमला कर दिया। इससे कॉलोनी में हंगामा मच गया। बीच बचाव में आई महिलाओं और लोगों से भी बदमाशों ने मारपीट की, जिसमें 2 लोगो को चोटें आई हैं। बदमाश किसी पुराने मामले की शिकायत करने का बदला लेने के लिए हमला किया था। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कोतवाली थाना क्षेत्र के भावसारवाडा में हुई मारपीट की ये घटना 14 अगस्त के रात के समय की बताई जा रही हैए जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। रात करीब 9 बजे भावसारवाडा के हिंगलाज माता मंदिर में लोग रोजाना की तरह आरती कर रहे थे। उसी समय कुछ बदमाश युवक कॉलोनी में आए। रैगिंग की शिकायत का बदला लेने आए बदमाशों ने मंदिर में आरती कर रहे नेमिल भावसार के पिता हेमंत भावसार पर हमला कर दिया। 8 से 10युवकों के एक साथ हमले से हंगामा मच गया। मंदिर में आरती कर रहे दूसरे लोग बीच बचाव करने आए,लेकिन बदमाशों ने जमकर मारपीट की। बीच बचाव करने आए पूरण भावसार समेत महिलाओं के साथ भी मारपीट ओर बदसलूकी की।

मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष गोपालकृष्ण व्यास सहित कई नेता सुराणा पहुंचे

बालक इंद्र कुमार की मौत के संबंध में परिवारजनों से मुलाकात कर निष्पक्ष एवं त्वरित न्याय दिलवाने का भरोसा दिया

जालोर, (कासं)। बालक इंद्र कुमार की मौत के संबंध में मंगलवार को शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपालकृष्ण व्यास सायला क्षेत्र के सुराणा ग्राम पहुंचे।

इस दौरान उनके साथ रजिस्ट्रार शैलेन्द्र व्यास, अध्यक्ष व पूर्व मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, आपदा प्रबंधन एवं सहायता, प्रशासनिक सुधार और समन्वय, सांख्यिकी एवं नीति निर्धारण प्रकोष्ठ मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पवन गोदारा, वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन अकादमी के अध्यक्ष रामसिंह राव, जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेह, अटरू विधायक पानाचंद मेघवाल, पूर्व उप मुख्य सचेतक रतन देवासी व भूराराम सीरवी ने सुराणा पहुंच परिवार जन से मुलाकात कर बालक इंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपालकृष्ण व्यास ने बालक इन्द्र कुमार के परिवारजनों को न्याय एवं हर संभव सहायता प्रदान करने की बात कहते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया।

इसी प्रकार अध्यक्ष व पूर्व मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने बालक के परिजनों से बात करते हुए दोषी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने एवं पीडित परिवार के साथ हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। उन्होंने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि परिवारजनों की मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रुपए तथा अनुसूचित जाति कल्याण मद से 4 लाख 12 हजार 500 रूपए की सहायता सहित कुल 9 लाख 12 हजार 500 रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया जा चुका है और त्वरित कार्यवाही के लिए 'केस ऑफिसर स्कीम' में प्रकरण का अनुसंधान किया जा रहा है।

- डोटासरा ने कहा कि अगर कानून में संशोधन करने की जरूरत पड़ी तो भी हम हिचकेंगे नहीं

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने कहा कि अगर कानून में संशोधन करने की जरूरत पडी तो भी हम हिचकेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि मटकी के पानी वाली बात की जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलित, ओबीसी और गरीब सवर्ण का हमेशा हित सोचती है। डोटासरा ने कहा कि गुजरात से बच्चे का शव लाते समय पुलिस की ओर से परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत मिली है, इस सम्बंध में तो आज ही कार्रवाई कर दी जाएगी। वहीं स्कूल की मान्यता रदद् करने का नोटिस जारी कर दिया गया है, कमेटी जांच कर रही है। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने मृतक इंद्र मेघवाल के परिजनों से मिलकर काफी देर तक घटना की व्यवस्थित जानकारी ली और हरसम्भव मदद का भरोसा दिया। परिजनों की ओर से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा परिवार में एक नौकरी पचास लाख की आर्थिक मदद देने की बात रखी।

देशभक्ति के रंग और आजादी के जश्न में रंगा नजर आया एसएमएस स्टेडियम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों और लोक कलाकारों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम (एसएमएस स्टेडियम) देशभक्ति के रंग और आजादी के जश्न में रंगा नजर आया। मौका था 76वें स्वतंत्रता दिवस का। जब सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों और लोक कलाकारों ने यहां देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां तिरंगा झंड़ा फहराकर परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद कार्यक्रम का आगाज हुआ। इससे पहले गहलोत ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने निवास पर भी तिरंगा फहराया। समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि आजादी से पूर्व स्वतंत्रता दिलाने और आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदानों को हम कभी भूल नहीं सकते। इन्हीं की वजह से भारत

- **आजादी से पूर्व स्वतंत्रता दिलाने और आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदानों को हम कभी भूल नहीं सकते : सीएम**
- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रदेश बीजेपी कार्यालय और बड़ी चौपड़ पर तिरंगा झंडा फहराया**

हमेशा एकजुट रहा, जबकि कई देशों के टुकड़े हो गए। यह दिन देश की आजादी के लिए चली लंबी लडाई में ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। स्वतंत्रता दिवस पर सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और आमजन संविधान की मूलभावना के अनुरूप आचरण करने और संविधान में प्रदत्त कर्तव्यों की पालना करने का संकल्प लें। समारोह में मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के कामकाज का ब्यौरा रखते हुए स्वास्थ्य-चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और प्रदेश में किये गए विकास कार्यों को भी गिनाया।

दूसरी ओर राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में स्वतंत्रता दिवस पर झण्डारोहण किया। बाद में उन्होंने पांचवी बटालियन आरएसी गारद की सलामी ली। राज्यपाल ने राजभवन परिसर स्थित राजकीय विद्यालय के उच्च प्राप्तांक वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार रुप में भारतीय संविधान पर लिखी पुस्तक भेंट की तथा मिठाई वितरण कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने राजभवन स्थित औषधीय उद्यान में गूलर का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र, राज्यपाल के परिजन, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश बीजेपी कार्यालय और बड़ी चौपड़ पर तिरंगा झंडा फहराया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी, जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगडी, महेन्द्र सिंह जाटव, अशोक सैनी, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, रामकुमार बैरवा, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उधर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तिरंगा फहराकर सलामी दी। डोटासरा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के महान स्वतंत्रता सैनानियों के संघर्ष एवं कुर्बानियों के फलस्वरूप देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली है। कांग्रेस के नेताओं ने जिस प्रकार आजादी की लडाई के दौरान राष्ट्रध्वज के सम्मान को बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शासन की कठोर यातनाओं को सहन किया, उसी प्रकार कांग्रेस के कार्यकर्ता राष्ट्रध्वज के सम्मान में अपने जीवन को न्यौछावर करने से पीछे नहीं हटेंगे।

नदबई विधायक को नोटिस तामील नहीं हुआ

जयपुर, (का.सं.)। खनन व्यवसायी की मानहानि से जुडे मामले में नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना के खिलाफ जारी हुए नोटिस की तामील नहीं हुई है। तामील कुनिंदा की ओर से अदालत को नोटिस लौटाते हुए कहा गया कि उन्हें एमएलए नहीं मिले हैं। इस पर अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-2 ने दौलत सिंह के दावे पर 29 अगस्त को सुनवाई रखी है।

दावे में कहा गया है कि बीती 17 जुलाई को विधायक की ओर से उच्चैन कस्बे में एक पंचायत आयोजित की गई थी। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग आए हुए थे। इसमें संबोधित करते हुए विधायक ने उनको भ्रष्ट और कई आरोप लगाए थे। जबकि उस पर आज तक एक भी आरोप नहीं लगा है। दौलत सिंह ने आरोप लगाया गया कि विधायक जोगिंदर सिंह अवाना उनकी बंसी पहाड़पुर स्थित खान को हड़पना चाहते हैं। इसके चलते वे उसके खिलाफ अनर्गल बयान दे रहे हैं। दावे में कहा गया कि विधायक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो वायरल कर उसकी छवि को धूमिल किया है।

प्रदेश में करोना संक्रमण से तीन लोगों की मौत हुई मंगलवार को

हालांकि, राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 191 नए संक्रमित मिले, जबकि सोमवार को इनकी संख्या 401 रही थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से मंगलवार को तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं 17 जिलों में 191 नए संक्रमित मिले हैं। पिछले चौबीस घंटों में करीब साढ़े छह सौ मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 4131 रह गए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को जयपुर, गंगानगर और सवाई माधोपुर में करोना से 1-1 मरीज की मौत हो गई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9596 लोगों की जान जा चुकी है। इधर आज राज्य के 17 जिलों में 191 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले सोमवार को 401 रोगी पाए गए थे। उधर राज्य में संक्रमितों की संख्या घटने का कारण जांचें कम होना बताया जा रहा है। सोमवार को स्वतंत्रता दिवस का अवकाश होने के कारण केवल 3811 जांचे हो सकी। इधर आज राजधानी

- **जयपुर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट के बाद 75 नए संक्रमित मिले हैं**

जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। इस दौरान जिले में 75 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा उदयपुर में 27, प्रतापगढ़ में 24, अलवर में 13, जोधपुर में 11, डूंगरपुर में 9, पाली में 8, बूंदी में 6, सवाई माधोपुर में 5, भीलवाड़ा में 4, कोटा में 3 तथा अजमेर, धौलपुर, गंगानगर, जैसलमेर, जालौर और झालावाड़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

वहीं इस बीच राज्य में 643 मरीज ठीक हुए हैं। रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 4131 रह गए हैं। जयपुर में भी 176 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस कम होकर 1395 रह गए हैं। इसके अलावा अलवर में 559, उदयपुर में 523, भरतपुर में 348 और चित्तौड़गढ़ में 148 लोगों का इलाज चल रहा है।

राजधानी जयपुर में मंगलवार को 28 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 मरीज मालवीय नगर में मिले हैं। इसके अलावा सांगानेर में 7, दुर्गापुरा में 6, मानसरोवर व वैशाली नगर में 5-5, जवाहर नगर व सोड़ाला में 4-4, आदर्श नगर, सी-स्कीम, जगतपुरा व विद्याधर नगर में 3-3, झोटवाड़ा, किशनपोल, सीकर रोड व तिलक नगर में 2-2 तथा अजमेर रोड, बनीपार्क, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, हरमाड़ा, झालाना डूंगरी, खातीपुरा, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, टोंक रोड और सिंधी कैम्प इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं तीन संक्रमितों के पते गलत मिले हैं।

पैरामिलिट्री फोर्स के ट्रकों में दो नंबर का पैसा भरकर बीजेपी दफ्तरों तक पहुंचता है : गहलोत

"गोवा, अरुणाचल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में आलू प्याज से सरकारें नहीं बदली गई हैं"

जयपुर, (का.प्र.)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पैरामिलिट्री और पुलिस के ट्रकों के जरिए भाजपा कार्यालयों में पैसा पहुंचाने के आरोपों के बाद राजनीति गरमा गई है। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि पैरामिलिट्री फोर्स और पुलिस के ट्रकों में दो नंबर का पैसा भरकर बीजेपी के दफ्तरों तक पहुंचता है।

गहलोत ने कहा था कि ये क्या करते हैं, मालूम है आपको? ये पैरामिलिट्री फोर्सेज या पुलिस वालों को पकड़ते हैं, जहां इनकी सरकारें हैं। ट्रक में भरकर पैसा लाते हैं, बीजेपी दफ्तर के पिछवाड़े ले जाते हैं ट्रक को। उससे वो बॉक्स उतारते हैं और अंदर डालते हैं। गाड़ी पुलिस की होती है, उसे पकड़े कौन? लोग सोचते हैं इनके रंगरूट आए होंगे मदद करने। ये बहुत बड़ा षडयंत्र है देश के साथ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, सच्चाई आपके साथ है।

गहलोत ने कहा कि गोवा, अरुणाचल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और अब महाराष्ट्र में आलू प्याज से सरकारें नहीं बदली गई हैं। आप बताइए मोदीजी ने नोटबंदी की। कॉमन सेंस की बात है, 1000-500 के नोट बंद कर दिए, वो नोट बड़ी जगह घेरते हैं। आपने 1000 का नोट बंद करके 2000 का नोट क्यों शुरू कर दिया? रुपए का जो ट्रांसपोर्टेशन होता है, उसमें 2000 का नोट जगह कम घेरेगा, इसीलिए यह किया। गहलोत ने यह भी कहा कि मोदीजी का गुजरात मॉडल फ्लॉप था। गुजरात मॉडल के नाम पर पूरे देश को धोखा दिया। आडवाणी जी ने शुरुआत की, मोदीजी इसके सहारे दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि मॉडल कुछ था ही नहीं, केवल मार्केटिंग थी। बीजेपी वाले आज भी मार्केटिंग पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। आईटी और सोशल मीडिया का जमाना है, बीजेपी वाले इस पर जमकर पैसा खर्च कर रहे हैं। इनको पूछो कि आप हिंदू राष्ट्र की बात करते हो। जब हिंदू राष्ट्र बन जाएगा तब अगड़े-पिछड़े लोग भी हैं। आप छुआछूत को मिटाने की बात क्यों नहीं करते हो? 100 साल का आपका आएसएस संगठन है, सांस्कृतिक संगठन है, जिस पर सरदार वल्लभ बाई पटेल ने रोक लगाई थी। संघ पर प्रतिबंध लगा दिया था।

हालेप ने जीता टोरंटो ओपन

टोरंटो, 15 अगस्त (वार्ता) विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप ने रविवार को ब्राज़ील की बीट्रिज़ हद्दाद माइया को हराकर टोरंटो ओपन खिताब जीता। रोमानिया की हालेप ने अपनी ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष 10 में अपनी वापसी पर मुहर लगायी।

हालेप ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हद्दाद मैया के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता। उन्होंने मुझे कुछ हफ्ते पहले हराया था। मुझे पता था कि यह एक अच्छी चुनौती और अच्छा मुकाबला होगा। मैं वास्तव में खुश हूं कि महत्वपूर्ण क्षणों में मैं मजबूत प्रदर्शन कर पायी।" हालेप ने कनाडा में अपनी इस जीत के साथ तीसरी बार नेशनल बैंक ओपन का खिताब हासिल किया। हालेप की टोरंटो में यह पहली जीत है, जबकि उनके पिछले नेशनल बैंक ओपन खिताब मॉन्ट्रियल में आये थे।

खेलों में लहराया भारत का परचम : मोदी

नयी दिल्ली, (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लाल किले की प्राचीर से कहा कि भारत ने भाई-भतीजावाद संस्कृति को पीछे छोड़ा है और अब खेल के मैदान में 'सामर्थ्य का सम्मान' हो रहा है। मोदी ने खेल के क्षेत्र में भारत की हालिया उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, "ऐसा तो नहीं कि देश के पास पहले प्रतिभाएं नहीं रही होंगी। ऐसा तो नहीं कि खेल के मैदान में हिन्दुस्तान के बेटे-बेटियां कुछ कर नहीं सकते थे, लेकिन चयन प्रक्रिया भाई-भतीजेवाद के माध्य से गुजरती थी।" उन्होंने कहा, "जब पारदर्शिता आयी और योग्यता के आधार पर खिलाड़ियों का चयन होने लगा और खेल के मैदान में सामर्थ्य का सम्मान हुआ तो दुनिया में खेल के मैदान में भारत का तिरंगा लहराया। अब दुनिया में भारत का राष्ट्रगान गाया जाता है। जब भाई-भतीजावाद से मुक्ति होती है तो यह नतीजे आते हैं।"

कारेनो बुस्ता ने जीता पहला मास्टर्स 1000 खिताब

मॉन्ट्रियल, (वार्ता) स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता ने रविवार को मॉन्ट्रियल ओपन के फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हरकाज़ को हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। कारेनो बुस्ता ने फाइनल से एक शाम पहले संवाददाता सम्मेलन में इस सत्र को उनका "अपने करियर का सबसे खराब सत्र" बताया था, लेकिन फाइनल में हरकाज़ को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर उन्होंने इस साल की अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने मैच के बाद कहा, "मास्टर्स 1000 का विजेता बनना एक अद्भुत अहसास है। यह निश्चित रूप से मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ खिताब है और मुझे नहीं पता कि मैं इस समय कैसा महसूस कर रहा हूं।" कारेनो बुस्ता ने कहा, "मुझे पता है कि पूरे सप्ताह के दौरान हमने बहुत मेहनत की। हर समय सकारात्मक रहना बहुत महत्वपूर्ण है। यह साल मेरा सबसे अच्छा सीजन नहीं है। मैंने कुछ मैच गंवाए हैं जो शायद अन्य सीजन में नहीं हारे होते, लेकिन मैंने अपनी टीम पर, खुद पर और अपने खेल में विश्वास बनाए रखने की कोशिश की।"

फीफा का निलंबन का निर्णय आश्चर्यजनक: प्रशासनिक समिति

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासनिक समिति ने फीफा के फैसले पर निराशा व्यक्त की

नयी दिल्ली, 16 अगस्त (वार्ता)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासनिक समिति (सीओए) ने मंगलवार को फीफा द्वारा एआईएफएफ को निलंबित करने के फैसले पर आश्चर्य और निराशा व्यक्त की।

समिति ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार फीफा, एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी), एआईएफएफ, सीओए और खेल मंत्रालय के बीच बीते कुछ दिनों से गहन बातचीत चल रही थी, और ऐसे में फीफा का यह निर्णय आश्चर्यजनक है।

सीओए ने कहा, "जबकि सीओए माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन अगस्त को पारित किये गये फैसले को लागू करने के लिये प्रतिबद्ध था, वह सभी हितधारकों से लगातार संपर्क में भी था।"

सीओए , फीफा-एएफसी , एआईएफएफ और खेल मंत्रालय के बीच पिछले कुछ दिन की बातचीत में यह सुझाव आया कि 36 राज्य-प्रतिनिधियों को मिला कर गठित निर्वाचन मंडल के साथ एआईएफएफ की कार्यकारिणी समिति (ईसी) के चुनाव करा लिए जाएं।

फीफा ने खेल मंत्रालय के जरिये यह सुझाव भी दिया था कि ईसी में छह प्रतिष्ठित खिलाड़ियों सहित 23 सदस्य हो सकते हैं। इस सुझाव के अनुसार खिलाड़ियों को नामित किया जाएगा जिनमें दो प्रतिष्ठित महिला खिलाड़ी होंगी और नामित सभी खिलाड़ियों को कार्यकारिणी समिति में मताधिकार प्राप्त होगा। इस तरह समिति में नामित खिलाड़ियों का मताधिकार 25 प्रतिशत से अधिक होगा।

खिलाड़ियों को छोड़ कर बाकी 17 सदस्यों का चुनाव निर्वाचन मंडल द्वारा किया जाएगा जिनमें अध्यक्ष, महासचिव, कोषाक्ष्यक्ष, उपाध्यक्ष और सह-सचिव जैसे पदाधिकारियों का चुनाव भी शामिल होगा। इस मुद्दे पर सीओए का नजरिया तीखा है। उसका कहना है कि यह सुझाव फीफा-एएफसी द्वारा एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव को 25 जुलाई 2022 को लिखे पत्र से मिलता जुलता है। उसके पत्र में कहा गया है, 'हमें दिए गए संविधान के मसौदे के अनुसार वर्तमान 36 सदस्यीय संघ से "एआईएफएफ कांग्रेस' में अतिरिक्त 36 प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे। यद्यिप हम इस बात से सहमत हैं कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए पर हमारा यह भी मानना है कि एआईएफएफ के वर्तमान सदस्यों के महत्व को कम नहीं माना जाना चाहिए। पर हम 'भारत की खेल-कूद संहिता' की शर्तों को भी समझते हैं और हमने एआईएफएफ को सुझाव दिया था कि वह अपनी कार्यकारिणी समिति में 25 प्रतिशत सदस्यता प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के लिए रखे और वे मनोनीत सदस्य के रूप में रखे जाएं।"

सीओए ने बयान में यह भी कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार एक स्वतंत्र समिति की निगरानी में चुनाव करवाने का प्रबंध किया था, जो फीफा के 15 अगस्त के आदेशों के अनुरूप थी। चुनाव कराने के लिए बहुत प्रतिष्ठित लोगों को रखा गया था।

फीफा ने 15 अगस्त को एआईएफएफ को लिखे पत्र में कहा था, "समवर्ती रूप से, कार्यकारी समिति के नए चुनाव करवाने के लिए एआईएफएफ की आम सभा द्वारा एक स्वतंत्र चुनाव समिति का चयन किया जाएगा।"

सीओए ने कहा कि ऐसे समय जबकि वर्तमान मसले का संभावित समाधान निकालने के लिए सभी हितधारकों के बीच बातचीत चल रही थी, फुटबाल क्षेत्र के वैश्विक विनियामक ने भारतीय फुटबॉल को निलंबित करने के फैसला कर दिया। सीओए ने इसे आश्चर्यचकित करने वाली कार्रवाई बताया है।

उसने कहा, "फीफा के 15 अगस्त, 2022 के पत्र में कहा गया है कि भारतीय फुटबॉल को 14 अगस्त, 2022 से निलंबित किया जा रहा है, जबकि उसके और भारत में इस खेल से संबंधित सभी हितधारकों के बीच 15 अगस्त की देर रात तक गहन चर्चा जारी थी।"

सीओए के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अनिल दवे ने कहा, "फीफा की ओर से इस तरह का निर्देश दुर्भाग्यपूर्ण है। यह ऐसे समय आया है जब कि भारतीय फुटबॉल की व्यवस्थाओं को सही रास्ते पर लाने के प्रयास किए जा रहे थे। बहरहाल, हम इस स्थिति का सही समाधान खोजने के लिए और देश में फुटबॉल को दोबारा सही ढर्रे पर लाने के लिये फीफा सहित सभी हितधारकों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, यह वास्तव में खेदजनक है कि लगभग दो वर्षों से जिस निकाय का कार्यकाल पहले ही पूरा हो चुका था, वह बिल्कुल अलोकतांत्रिक और अवैध तरीके से चलता रहा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने चीजों को ठीक करने का आदेश पारित किया ताकि एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित निकाय कार्यभार संभाल सके, तब फीफा द्वारा भारत के निलंबन का आदेश पारित कर दिया गया।

ज़िम्बाब्वे दौरे पर शाहबाज़ ने ली सुंदर की जगह

18 अगस्त से भारत और ज़िम्बाब्वे को तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला खेलनी है

मुंबई, 16 अगस्त (वार्ता) युवा ऑल-राउंडर शाहबाज़ अहमद को ज़िम्बाब्वे दौरे के लिये वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को यह सूचना दी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि सुंदर इंग्लैंड में एक काउंटी मैच के दौरान चोटिल हो गये थे, जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारत को ज़िम्बाब्वे में तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला खेलनी है, जिसकी शुरुआत 18 अगस्त से होगी।

गौरतलब है कि सुंदर रॉयल लंदन कप में लंकाशर और वॉर्वेस्टरशर के एक मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए चोटिल हो गये थे। वह पिछले एक साल में चोट और कोविड-19 के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे हैं। सुंदर की जगह टीम में आये शाहबाज़ डोमेस्टिक क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं, जबकि आईपीएल में वह रॉयल चैलेंजर बैंगलोर का हिस्सा हैं। शाहबाज़ ज़िम्बाब्वे दौरे पर भारत की ओर से पदार्पण कर सकते हैं।

तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम : केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर , कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज़ अहमद।

इयन चैपल ने 45 साल बाद कमेंट्री को कहा अलविदा

सिडनी, (वार्ता)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और क्रिकेट कमेंटेटर इयन चैपल ने अपने 45 साल लंबे कमेंट्री करियर को विराम देने का निर्णय लिया है।

अपनी तीक्ष्ण टिप्पणियों के लिये क्रिकेट जगत में मशहूर 78 वर्षीय चैपल ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के सामने इस बात का खुलासा करते हुए कहा, "मुझे वह दिन याद है जब मुझे पता लग गया था कि मेरा दिल क्रिकेट से भर गया है। मैंने घड़ी की ओर देखा, और (टेस्ट मैच के) खेल के दिन समय 11 बजे से पांच मिनट आगे बढ़ चुका था। मुझे एहसास हुआ कि यदि आप घड़ी की तरफ देख रहे हैं, तो आपके जाने का समय आ चुका है।"

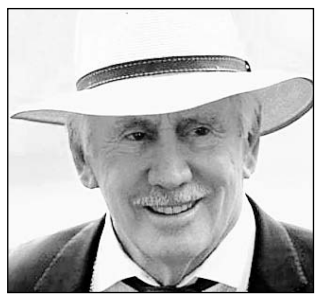

उन्होंने कहा, "जब कमेंट्री की बात आती है, तो मैं इस बारे में काफी समय से सोच रहा हूं। कुछ सालों पहले मुझे दिल का दौरा पड़ा था। मैं भाग्यशाली रहा, लेकिन उसके बाद सब कुछ कठिन हो गया। मैंने विचार किया कि सफर के दौरान चीजें और मुश्किल हो जाएंगी।"

जब चैपल से पूछा गया कि वह किस तरह याद किया जाना पसंद करेंगे, तो उन्होंने कहा, "यह दूसरे लोगों के ऊपर है कि वे मुझे किस तरह याद करते हैं। कुछ सोचेंगे कि मैं ठीक-ठाक था। कुछ सोचेंगे कि मैं बहुत बुरा था। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

चैपल ने 75 टेस्ट मैचों के अपने करियर के बाद कमेंट्री बॉक्स का रुख किया था। वह करीब तीन दशक तक चैनल नाइन के प्रसारण समूह का हिस्सा बने रहे। हाल ही में चैपल स्किन कैंसर सहित कई बीमारियों से गुजरे हैं, लेकिन उन्होंने प्रिंट एवं प्रसारण माध्यमों पर क्रिकेट संबंधी विचार साझा करना जारी रखा है।

वेस्ट इंडीज़ ने मैच जीता, न्यूज़ीलैंड ने शृंखला

न्यूज़ीलैंड ने शृंखला 2-1 से अपने नाम की

जमैका, (वार्ता) वेस्ट इंडीज़ ने ओडियन स्मिथ (चार ओवर, तीन विकेट) और ब्रैंडन किंग (53 रन) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत न्यूज़ीलैंड को तीसरे टी20 मैच में आठ विकेट से मात दी।

न्यूज़ीलैंड ने विंडीज़ को 20 ओवर में 146 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 19 ओवर में ही हासिल कर लिया। न्यूज़ीलैंड ने हालांकि इस हार के बावजूद तीन मैचों की शृंखला 2-1 से अपने नाम की।

विंडीज़ ने टॉस जीतकर ब्लैक कैप्स को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। न्यूज़ीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 26 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की बदौलत 41 रन बनाये। मार्टिन गप्टिल (15), डेवन कॉनवे (21) और केन विलियमसन (24) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और कीवी टीम ने सात विकेट के नुकसान पर 145 रन बनाये।

कैरिबियाई टीम की ओर से स्मिथ ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 28 रन के बदले दो विकेट झटके। डॉमिनिक ड्रेक्स और हेडेन वॉल्श जूनियर को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

वेस्ट इंडीज़ के सलामी बल्लेबाजों ने 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को बेहतरीन शुरुआत दी। ब्रैंडन किंग और शमारह ब्रूक्स के बीच 102 रन की विशाल साझेदारी हुई। किंग ने 35 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए 53 रन की पारी खेली। ब्रूक्स उनका समर्थन करते हुए 56(59) रन पर नाबाद रहे। अंत में रोवमैन पॉवेल ने कसर पूरी करते हुए 27(15) रन की पारी खेलकर टीम को छह गेंद रहते लक्ष्य तक पहुंचाया।

आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की : विश्वेन्द्र सिंह

चूरू, (का.सं.)। जिले में स्वतंत्रता दिवस सोमवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में प्रभारी मंत्री ने मार्च पास्ट का निरीक्षण कर सलामी ली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर लोकेश कुमार गौतम ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया। समारोह में राजस्थान पुलिस, महिला पुलिस, होम गार्ड एवं एनसीसी, स्काउट.गाइड ने मार्च पास्ट किया। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ओला ने जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 39 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने शहीद वीरांगनाओं का शॉल ओढाकर सम्मान किया।

चूरू में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में सड़क सुरक्षा एवं परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला ने ध्वजरोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि आजादी के लम्बे संघर्ष के बाद देश के महान सपूतों ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने शहीद परिवारों एवं शहीद वीरांगनाओं को नमन करते हुए कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने अधिकारों के साथ.साथ कर्तव्यों का भी पालन करें। पिछले 75 साल में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आजादी के समय छोटी.छोटी चीजों के लिए विदेशों की तरफ देखना पड़ता था। आज बड़े.बड़े विश्वस्तरीय संस्थान देश के विकास की कहानी कहते हैं। उन्होंने देश के महान नेताओं का स्मरण करते हुए कहा कि इस देश के वीर सैनिकों और महान नेतृत्व ने 90 हजार सैनिकों का एक साथ समर्पण करवाया। जिसका उदाहरण विश्व के इतिहास में दूसरा नहीं मिलता। हम सभी यह सोचना चाहिए कि देश व समाज के हित में हम सभी क्या कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. विद्या आर्य के निर्देशन में केन्द्रीय विद्यालय के छात्र.छात्राओं ने राष्ट्रगान किया। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक रामसिंह सिहाग व सुधीर के निर्देशन में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने व्यायाम प्रदर्शन किया। इस दौरान जैन श्वेतांबर विद्यालय, मधुर स्पेशल शिक्षण संस्थान, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पारख बालिका विद्यालय के विद्यार्थियों ने जोरदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रभारी मंत्री ने मधुर स्पेशल शिक्षण संस्थान के दिव्यांग बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

सुजानगढ (नि.स.) शहर के समस्त राजकीय, निजी शिक्षण संस्थानों एवं कार्यालयों ध्वजारोहण के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। उपखण्ड स्तरीय कार्यक्रम एन.के. लोहिया स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां पर विधायक मनोज मेघवाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ साख व सभापति नीलोफर गौरी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात सलामी गारद ने हैड कांस्टेबल हरिशंकर शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय ध्वज को सशस्त्र सलामी दी। इसके पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने परेड के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। नन्हे-नन्हे छात्र-छात्राओं ने शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन किया। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पदमश्री व राजस्थान रतन कन्हैयालाल सेठिया द्वारा रचित धरती धोरां री, जलियांवाला बाग नरसंहार पर नृत्य नाटिका सहित देश भक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। समारोह में वीरांगना जैतून बानों के प्रतिनिधि, , विभिन्न कार्यालयों में अपने कर्तव्य के प्रति शत प्रतिशत देने वाले कार्मिकों सहित 48 गणमान्यजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया ।

'पढ़सी लाडो तो होसी सम्मान'

चूरू, (का.सं.)। मंगलवार को राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू में 'पढसी लाडो तो होसी सम्मान' कार्यक्रम आयोजित, महाविद्यालय कि द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रमा चौधरी पुत्री अशोक चौधरी रिटायर्ड सी.आई. को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.एस.के.सैनी ने बताया के भामाशाह अमर सिंह किसनावत द्वारा चलाई जा रही मूहिम 'पढ़सी लाडो तो होसी सम्मान' के अन्तर्गत होनहार व कर्तव्यशील बालिकाओं को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य के लिए एक पौधा, डायरी व पेन देकर सम्मानित किया जाता है।

डॉ.सैनी ने कहा के यह मूहिम निरन्तर महाविद्यालय में चलती रहेगी और इसी प्रकार हर महिने किसी ना किसी छात्रा को सम्मानित किया जाता रहेगा। इस अवसर पर डॉ. सुमित लाम्बा, सुरेन्द्र सिंह लाम्बा, पूर्व अभियाजन अधिकारी, देवेन्द्र जोशी, समाज सेवी, संकाय सदस्य एवं स्टाफ सहित महाविद्यालय के विषेष बजाड़, कमल पंवार, जयदीप सिंह राठौड़, रक्षित शर्मा, साहीन भाटी, साहीबा भाटी सहित अनेक छात्र-छात्राऐ मौजूद रहे।

सार-समाचार

139 प्रतिभाएं सम्मानित

सुजानगढ (नि.स.)। बाल भारती इंटरनल स्कूल में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरूस्कार समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस उप अधीक्षक रामप्रताप विश्नोई के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी पवन सोनी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में तहसीलदार महावीर प्रसाद सीलू, संदर्भ व्यक्ति बलदेव ढाका, मधु शेखावत, हेतराम सारण, पूनमचंद सारस्वत, जिप सदस्य नौरंग सीलू विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति व सांस्कृतिक गीतों की प्रस्तुति दी तथा अतिथियों द्वारा 139 प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया।

भोलेनाथ की पूजा की

सुजानगढ (नि.स.)। श्री श्याम मंदिर भोजलाई बास में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना के साथ भारत माता के जयकारे लगाए गए तथा प्रोजेक्टर के माध्यम से तिरंगे को दर्शाते हुए राष्ट्र गान गाया। मंदिर के पुजारी जगदीश बोहरा, व्यस्थापक पवन जोशी, बाबूलाल जोशी, विनोद दाधीच, राजकुमार प्रजापत, शिव जोशी, सौरभ सराफ, शुभम मोदी, योगेश खंडेलवाल, विक्की मोयल, गौरव अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कई प्रतिभाओं को मिला सम्मान

चिड़ावा। उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह डालमिया खेलकूद परिसर में मनाया गया। जिसमें विशिष्ट कार्य के लिए काफी लोगों व संगठनों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम सन्दीप चौधरी थे। अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष सुमित्रा सैनी ने की।

शिक्षाविद् तंवर जिला स्तर पर सम्मानित

चूरू, (का.सं.)। जिला कारागृह चूरू एवं उपकारागृह राजगढ़ व रतनगढ़ के बन्दियो के लिए पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करवाने तथा असाक्षर बन्दियों को साक्षर करने के अभियान में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए सेवानिवृत प्राध्यापक, साहित्यकार एवं पुरस्कृत शिक्षक फोरम, राजस्थान, जिला शाखा.चूरू के सचिव ओमप्रकाश तंवर को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य परिवहन मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग तथा जिला पुलिस अधीक्षक दिंगत आनन्द भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भादरा के विधायक बलवान पूनिया ने गत विधानसभा सत्र में जिला कारागृह चूरू में बन्दियों के लिए पुरस्कृत शिक्षक फोरम की ओर से संचालित पुस्तकालय की सुविधा की विस्तार से चर्चाकी । क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा अपने विधायक कोष से प्रदत्त 10.50 लाख रुपए की लागत से जिला कारागृह में पुस्तकालय भवन जब निर्मित होकर पूरी तरह से तैयार हो जायेगा ।

'लम्पी से बचाव के लिए जन जागरुकता जरुरी'

चूरू, (का.सं.)। लम्पी रोगी से बचाव एवं नियंत्रण के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पूरे राज्य में पैंफलेट छपवाकर पशुपालकों को वितरण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने सोमवार को जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय चूरू की ओर से छपवाए गए पैंफलेट बालाजी गौशाला के संचालक रविशंकर पुजारी को प्रदान कर जागरुकता अभियान का आरंभ किया।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि लम्पी बीमारी से बचाव एवं नियंत्रण के लिए जन.जागरुकता बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रत्येक पशुपालक को यह बात पता होनी चाहिए कि वे कौनसी बातें हैं। जिन्हें ध्यान में रखकर हम अपने मवेशियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लिए लोगों के लिए खेती और पशुपालन जीवन रेखा हैं। शासन.प्रशासन संकट की इस घड़ी में पूरी तरह पशुपालकों के साथ हैं लेकिन पशुपालकों को स्वयं भी जागरुक होना होगा क्योंकि अपने पशु के सर्वाधिक निकट वे ही हैं और उनका सर्वाधिक बेहतर बचाव कर सकते हैं।

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ अशोक शर्मा ने बताया कि पशुपालक रोग के लक्षण दिखाई देते ही नजदीकी पशु चिकित्सालय में सूचना दें। रोगी पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग बांध कर रखें तथा समय पर इलाज कराएं। रोग से बचाव एवं उपचार के लिए पारम्परिक, घरेलू उपचार भी किया जाना चाहिए। यह रोग कोरोना वायरस की तरह अपना रूप बदलकर नहीं फैलता है। यह रोग मच्छर.मक्खी, चींचडों आदि से फैलता है। लम्पी स्किन रोग पशुओं से मनुष्यों में नहीं फैलता है। पशु गृह, गौशालाओं को संक्रमण से मुक्त करने के लिए सोडियम हाइपोक्लोराइट के 2 प्रतिशत घोल का छिड़काव किया जाना चाहिए। रोगी पशु को संतुलित पशु आहार, हरा पौष्टिक चारा खिलाएं। रोगी पशु के दूध को उबालकर काम में लिया जा सकता है। इस दौरान एडीएम लोकेश गौतम, सीईओ हरीराम चौहान, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक कुमार अजय, पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक डॉ निरंजन चिरानिया आदि मौजूद थे।

कनक दंडवत यात्रा की

सुजानगढ। (नि.स.) स्वतंत्रता दिवस पर देश प्रेम की अनुठी मिसाल एवं तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता विद्याप्रकाश बागरेचा ने कनक दण्डवत यात्रा की। वेंकटेश्वर मंदिर से कनक दण्डवत यात्रा शुरू कर गोगामेडी, कोठारी रोड, बागरेचा बास, बाडी बास, लाडनूं बस स्टैण्ड होते हुए एन.के. लोहिया स्टेडियम पंहूच कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी दी। स्टेडियम पंहूचने पर विधायक मनोज मेघवाल ने माला पहना कर विद्याप्रकाश बागरेचा का सम्मान किया। इससे पहले रास्ते में सभापति नीलोफर गौरी, माणकचंद सराफ, पार्षद सुनीता रावतानी, कपिल माटा, हाफिज अब्दुल सलाम खीची, इरशाद गौरी, अजय चौरडिया, नरेन्द्र गुर्जर, सरिता गोयल, करणीसिंह, हरिकृष्ण सोनी, रामवतार सोनी, संदीप कोठारी, सुमन चौरडिया, अमिता चौरडिया, गुलाब भंसाली, लाडनूं बस स्टैण्ड के व्यापारियों सहित अनेक गणमान्यजनों ने माला पहना कर स्वागत किया। कनक दण्डवत यात्रा के दौरान बागरेचा की पार्षद पत्नी मधु बागरेचा, नोरतन नारनौत, हरिराम सहित अनेक लोग साथ थे।

हर्षोल्लास से मनाया आजादी का पर्व

बीदासर । कस्बे में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस का उपखण्ड स्तरीय मुख्य समारोह राजेन्द्र सुरेन्द्र चौरडिय़ा स्टेडियम मे राजकीय सेठिया उच्च माध्यमिक विद्यालय के तत्वाधान मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर समारोह की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष सीताराम भौभरिया ने की। तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्योराम वर्मा व विशिष्ट अतिथी तहसीलदार द्वारका प्रसाद शर्मा, पालिका उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छीपा, विकास अधिकारी हंसराज मीणा, नायब तहसीलदार सुभाष चंद छीपा, नगर काग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, थानाधिकारी महेन्द्र कुमार चावला व प्रधानाचार्य ताराचंद बारूपाल थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्योराम वर्मा ने झण्डारोहण किया। वर्मा ने झण्डारोहण के पश्चात परैड का निरीक्षण कर परैड की सलामी ली। समारोह मे विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने पीटी परैड व शारीरिक व्यायाम का सामुहिक प्रदर्शन किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति से ओत प्रोत एकल गायन, सामुहिक गायन, कविता, भाषण के माध्यम से शानदार प्रस्तुतियाँ दी। स्टेडियम समारोह मे उपखण्ड स्तर पर विभिन्न क्षेत्रो मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले 57 अधिकारीयों व कार्मिकों को मंचस्थ अतिथियों ने मोमेंटो व प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया। समारोह का संचालन शिक्षक सुरेश जानू ने किया।

वही कस्बे के सिविल न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कार्यालय मे आरजेएस मनमोहन चंदेल ने, उपखण्ड कार्यालय मे एसडीएम श्योराम वर्मा, तहसील कार्यालय मे द्वारका प्रसाद शर्मा ने, पंचायत समिति कार्यालय में प्रधान संतोष मेघवाल व विकास अधिकारी हसंराज मीणा ने, नगर पालिका कार्यालय में पालिका अध्यक्ष सीताराम भौभरिया ने, भाजपा कार्यालय में भाजपा नगर अध्यक्ष अरूण तिवारी ने, राजकीय सेठिया उ.मा. विद्यालय में प्रधानाचार्य ताराचंद बारूपाल ने, राजकीय धापूदेवी चोरडिय़ा बालिका उ.मा. विद्यालय में राकेश साहू ने ध्वजारोहण किया।

नई पाइप लाइन डालने का कार्य शुरू

सुजानगढ। (नि.स.) गैनाणी से गंदे पानी की निकासी के लिए 45 साल पहले डाली गई पाइप लाईन में लीकेज के बाद से शहर में पैदा हुई जलभराव की समस्या से नगरवासियों को अब शीघ्र ही निजात मिल जायेगी। नगरपरिषद प्रशासन ने गैनाणी से गंदे पानी की निकासी के लिए नई पाइप लाइन डालने का काम शुरू कर दिया है। विधायक मनोज मेघवाल, सभापति नीलोफर गौरी ने नई पाईप लाईन डालने का कार्य शुरू करवाया। आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि 75 लाख रूपये की लागत से करीब एक किलोमीटर से अधिक लम्बी पाइप लाईन डाल कर गैनाणी से गंदे पानी की निकासी की जायेगी।

आयुक्त ने बताया कि एक-एक फीट की गोलाई वाले पाईपों की डबल लाईन डाल कर 6० एचपी की दो मोटरों से पानी की निकासी करवाई जायेगी। उपसभापति अमित मारोठिया ने बताया कि एक सप्ताह में पाईप लाईन डालने का कार्य पूरा होने के बाद गंदे पानी की निकासी होने से शहरवासियों की जलभराव की समस्या का समाधान भी हो जायेगा। इस अवसर पर पार्षद इदरीश गौरी, इकबाल खान, एड. सलीम खान गाजी, दीनदयाल पारीक, विजय बटेसर, हितेश जाखड, सोनिका पीपलवा, पन्नालाल सोनी, श्रवण कुमार जाखड, बजरंग सैन, सुरेश सोनी, सौरभ पीपलवा, इरफान खान, सहायक अभियन्ता दलीपसिंह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। ज्ञात रहे कि गैनाणी से 45 साल पहले डाली गई पाइप लाईन में लीकेज आने से उसके ऊपर बने मकानों के कारण लीकेज नहीं निकाले जा सके तथा पम्प से पानी की निकासी बंद करने से गांधी चौक, लाडनूं बस स्टैण्ड, नया बास में पाण्ड्या रोड, मोहन जैन हॉस्पीटल के पास गंदे पानी के भराव की समस्या उत्पन्न हो गई।

तिरंगे के साथ निकाली यात्रा

सुजानगढ । (नि.स.) स्वतंत्रता दिवस पर मारवाडी युवा मंच द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। आजादी के महोत्सव तहत वेंकटेश्वर मंदिर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गणेश मंदिर पंहूच कर सम्पन्न हुई।

अमृत महोत्सव के उपलक्ष में आयोजित यात्रा में 75 फीट लम्बे तिरंगे के साथ ही अनेक सजीव झांकियां शामिल थी। श्याम सखा मंडल, राजकीय झंवर बालिका स्कूल, नवजीवन साइंस एकेडमी, सूरज कुमारी गाडोदिया आविम विद्यालय, आदर्श इंडियन शिक्षण संस्थान, गणेश सेवा समिति, एवरग्रीन पब्लिक स्कूल सहित अन्य शैक्षिक व सामाजिक संस्थाएं यात्रा में शामिल थी। मंच के कमल डागा की अगुवाई में आरम्भ हुई यात्रा में मंच के सुरेश अरोडा, ब्रजकिशोर सोनी, संदीप शर्मा, संकाय पारीक, संवारमल जालान, योगेंद्र भोजक, महिला शाखा में वीणा भोजक, राकेश बाफना इत्यादि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वाधीनता दिवस

पाटन। कस्बे में स्थित सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों एवं स्वास्थ्य विभाग सहित पुलिस थाने में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ स्वाधीनता दिवस मनाया गया।

सभी संस्थानों में संस्था प्रधानों द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं देश की आन बान शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी दी गई। सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए जिसमें नन्हे-मुन्ने बालकों द्वारा देश भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई ।जिस पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने उनके द्वारा गाए गए देशभक्ति गीतों की सराहना की गई। कस्बे में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में प्राचार्य हरी प्रसाद बेरवा, श्री जगन्नाथ दीवान सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल अमर सिंह मीणा, श्रीमती जमुना देवी बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल महावीर प्रसाद मीणा,राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय न्योराणा में श्रीमती निर्मला देवी, छाजा की नांगल में विवेक जांगिड़, डूंगा की नांगल में छगन मीणा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वही निजी शिक्षण संस्थान जिसमें लॉर्ड कृष्णा एकेडमी, गायत्री शिक्षण संस्थान, सरस्वती शिक्षण संस्थान, प्रगति बाल मंदिर, आशा देवी शिक्षण संस्थान में भी विद्यालय के संस्था प्रधानों द्वारा ध्वजारोहण कर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। पाटन सरपंच मनोज चौधरी ने ग्राम पंचायत भवन एवं अमृत सरोवर जोगीवाला में ध्वजारोहण किया। आयुर्वेद चिकित्सालय में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेंद्र शर्मा एवं राजकीय रेफरल चिकित्सालय में डॉ अमित यादव ने ध्वजारोहण किया वही पाटन थाने में थानाधिकारी राजेश चौधरी ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

रक्तदान अभियान आज

बीदासर। जहां सारा देश आजादी के अमृत महोत्सव की तैयारियों में जुटा है वहीं इस महोत्सव में चार चांद लगाने के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् ने देश-विदेश में फैली अपनी 355 शाखा परिषदों के माध्यम से आगामी 17 सितंबर को 2000 से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाने का बीड़ा उठाया है। इसी क्रम में तेरापंथ युवक परिषद् बीदासर द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव एमबीडीडी के बैनर का विमोचन स्वतंत्रता दिवस समारोह मे किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद बैनर का विमोचन एसडीएम श्योराम वर्मा, पालिका अध्यक्ष सीताराम भोभरिया, तहसीलदार द्वारका प्रसाद शर्मा, थानाधिकारी महेन्द्र कुमार चावला सहित गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर 17 सितंबर को भारत के साथ अन्य कई देशों में एक साथ होने वाले मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव की विस्तृत जानकारी दी गई।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री खुशी के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम भूलवश महावीर सिंह नायक दर्ज हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों के अनुसार मेरा सही नाम महावीर प्रसाद है। अब मैं मेरी पुत्री खुशी के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम दुरूस्त करवाकर महावीर सिंह नायक के स्थान पर महावीर प्रसाद दर्ज करवाना चाहता हूं, जो सही एवं सत्य है।

शपथ ग्रहिता
महावीर प्रसाद उम्र 38 साल पुत्र ओमप्रकाश जाति नायक निवासी वार्ड नं. 05 राजगढ़, तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

नाम परिवर्तन

मै सलीम खान पुत्र सादुले खान जाति कायमखानी वार्ड नं. पुराना 10, नया वार्ड नं. 15 आथुणा मोहल्ला चूरू तहसील व जिला चूरू राज. का हूं जो कि शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरी पुत्री अनिशा चायल के स्कूल रिकॉर्ड में पिता का नाम सलीम खान चायल व माता का नाम शकीला चायल भूलवश दर्ज हो गया। जबकि पिता का वास्तविक नाम सलीम खान है व माता का वास्तविक नाम शकीला बानो है। अब मैं मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में पिता का नाम सलीम खान चायल के स्थान पर सलीम खान व माता का नाम शकीला चायल के स्थान पर शकीला बानो दर्ज करवाना चाहता हूं। भविष्य में स्कूल रिकॉर्ड में पिता का नाम सलीम खान व माता का नाम शकीला बानो पढ़ा व लिखा जावे।

शपथग्रहिता- सलीम खान

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण निर्धारण प्राधिकरण राजस्थान सरकार प्रपत्र क्रमांक हद f1(4)SEIAA/SEAC-RAJ/Sectt/project/B2(20287)/2021-22 jaipur date 9/5/22 के द्वारा श्री सुशील कुमार ढाणी जोधावाली वार्ड नं. 03 तहसील खण्डेला जिला सीकर के नाम से स्वीकृत/धारीत खनन पट्टा संख्या 08/2022 रेफ नं. 2021000022098 वास्ते खनिज चेजा पत्थर (Masonary stone) क्षेत्र 1.1129 हेक्टयर के खसरा नं. 62, 63 निकट ग्राम बक खण्डेला नं. 2 तहसील खण्डेला जिला सीकर (राज.) के लिये पर्यावरण अनुमति/स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.r.p.c.b.nic.in पर उपलब्ध है। एवं क्षेत्रीय कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण निर्धारण प्राधिकरण राजस्थान सरकार प्रपत्र क्रमांक f1(4)SEIAA/SEAC-RAJ/Sectt/project/B2(20288)/2021-22 jaipur date 9/5/22 के द्वारा श्री सुरजीत सिंह आर्य एवं श्री राजेश कुमार ढाणी जोधावाली वार्ड नं. 03 तहसील खण्डेला जिला सीकर के नाम से स्वीकृत/धारीत खनन पट्टा संख्या 07/2022 रेफ नं. 2020100022107 वास्ते खनिज चेजा पत्थर (Masonary stone) क्षेत्र 1.1453 हेक्टयर के खसरा नं. 993, 994 निकट ग्राम धाजना तहसील खण्डेला जिला सीकर (राज.) के लिये पर्यावरण अनुमति/स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.r.p.c.b.nic.in पर उपलब्ध है। एवं क्षेत्रीय कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है।

बेदखली सर्वसाधारण सूचना

मनके प्रभूराम पुत्र दोदाराम एवं धनपति पत्नी प्रभूराम जाति जाट निवासी भाकरां तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) के हैं, जो कि सभी को इस नोटिस के जरिए आम सूचना दे रहे हैं कि:- 1. यह कि राजेश कुमार पुत्र प्रभूराम हमारा पुत्र है व सुमन पत्नी राजेश कुमार हमारी पुत्रवधू है। हमारा उक्त पुत्र व उक्त पुत्रवधू आए दिन हमारे साथ रूपये पैसो के लिए झगड़ा फसाद करते रहते हैं। हमारे उक्त पुत्र व उक्त पुत्रवधू ना ही हमारे कहने-सूनने में है और ना ही हमारी कोई बात मानते हैं। हम हमारे उक्त पुत्र राजेश कुमार व उक्त पुत्रवधू सुमन पत्नी राजेश कुमार को आज के बाद हमारी चल व अचल समस्त सम्पत्ति से बेदखल करते है व हम व हमारा परिवार उक्त दोनों से रिश्ता हमेशा के लिए तोड़ते हैं। भविष्य में हमारी चल-अचल सम्पत्ति में इनका कोई हक व हिस्सा नहीं होगा तथा ना ही हमारे पुत्र व पुत्रवधू द्वारा किये गये लेन-देन के लिए हम व हमारा परिवार जिम्मेदार होंगे, ना ही किसी भी प्रकार के मुकदमें के लिए हम जिम्मेदार होंगे। आज के बाद हमने हमारे उक्त पुत्र व पुत्रवधू को हमेशा के लिए हमारी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। सूचित रहे। दिनांकः- 12.08.2022

प्रार्थी/सूचनाकर्ता
प्रभूराम पुत्र दोदाराम एवं धनपति पत्नी प्रभूराम जाति जाट निवासी भाकरां तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

बेदखली सूचना

मनके सतबीर सिंह आयु 60 साल पुत्र श्री जयलाल व श्रीमती शंकुन्तला आयु 58 साल पत्नी श्री सतबीर सिंह जाति जाट निवासी ग्वालीसर तहसील सिद्धमुख जिला चूरू (राज.) के हैं जो इस नोटिस के जरिए सर्वसाधारण को सूचित करते हैं, यह कि हमारा पुत्र अशोक कुमार व उसकी धर्मपत्नी पिन्की हमारे कहे अनुसार नहीं चलते हैं। आवारा व बदमाश प्रवृति के लोगों की संगत में रहते हैं। लोगों से हमारे व हमारे परिवार के नाम से रूपये व सामान ले लेते हैं। उनके द्वारा वापिस मांगने पर झगड़ा-फंसाद करते है। हमारा उक्त पुत्र व पुत्रवधू हमारे द्वारा समझाने पर भी नहीं मान रहे हैं, हमारा उक्त पुत्र व पुत्रवधू हमें आत्महत्या करने की धमकी देते हैं, इस कारण हमने हमारे पुत्र अशोक कुमार व उसकी धर्मपत्नी पिन्की को आज दिनांक 16.08.2022 को हमारे परिवार की सम्पूर्ण जायदाद चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज से हमारे उक्त पुत्र व उसकी धर्मपत्नी का हमारी किसी भी प्रकार की सम्पत्ति व जायदाद में किसी भी प्रकार का कोई हक व हिस्सा नहीं रहा है, हमने हमारे उक्त पुत्र व उसकी पत्नी को हमारे परिवार से अलग कर दिया है, तथा हम शेष सभी सदस्य अलग परिवार बनाकर रहने लग गये हैं। अशोक कुमार पिन्की से अपनी मर्जी से शादी करके पिन्की को ले कर के आया है, हमारे से कोई पुछताछ नहीं की गई है और ना ही बताया गया है। पिन्की और मेरा पुत्र अशोक कुमार मुकदमा बाजी करते हैं तो हमारा कोई लेना-देना नहीं है। आज के बाद हमारे उक्त पुत्र व उसकी धर्मपत्नी के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करने, वाद विवाद करने या झगड़ा फंसाद करने पर किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना कारित करने या अन्य कोई भी गलत काम करने पर हमारे व हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, समस्त प्रकार की जिम्मेदारी लेन-देन करने वाले स्वयं की होगी। उक्त बात की हमने सामाजिक पंचायत की थी, व सामाजिक पंचायत में हमने हमारे उक्त पुत्र अशोक कुमार व उसकी धर्मपत्नी पिन्की को हमारे परिवार से बेदखल कर दिया है, और कोर्ट में लिखित कर आज हमने इसको निष्पादित करवाया है। दिनांकः- 16.08.2022

शपथ ग्रहिता
सतबीर

जिला कार्यालय में किया झंडारोहण

सीकर, स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का 75वां अमृत महोत्सव सोमवार को भाजपा कार्यालय में मनाया गया। जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी व पार्टी के नेता गिरधारी महाराज ने झंडारोहण किया। झंडारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाकर देश को आजादी दिलाने में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया।

इस दौरान किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, प्रदेश मंत्री मधू कुमावत, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, केडी बाबर, नीलम मिश्रा, रमेश जलधारी, राजकुमार जोशी, अशोक चौधरी, ओमप्रकाश बिजारणियां, जगदीश गठाला, राजेश रोलन, जितेंद्र माथुर, बाबुलाल शर्मा, गोपालकृष्ण शेखावत, विजयपाल, अनिता शर्मा, स्वदेश शर्मा, गोविंद सैनी, भंवरी खोखर, जगदीश कुमावत, श्रीहरि बियाणी, विष्णु काबरा, गिरीश प्रधान, सुरेश फागलवा, मनोज बजाज, निश्चय जीनगर, जयपाल गढ़वाल, संतोष खटीक, भंवरलाल जांगिड़, गोपाल सैनी, मनोहर सैनी, नरेंद्र कौशिक, सज्जन सिंह निर्वाण, नेमीचंद कुमावत, जितेंद्र जोशी, कानाराम, सनातन शर्मा आदि मौजूद रहे।

दलितों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

जालोर में दलित छात्र के साथ हुई घटना के विरोध में राजस्थान मेघवाल परिषद की ओर से रामप्रताप कांटीवाल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।

चूरू, (का.सं.)। जालौर में छात्र इन्द्र मेघवाल की शिक्षक द्वारा पीट-पीटकर निर्मम हत्या किये जाने व दलितों पर आये दिन होने वाले अत्याचार के विरोध में मंगलवार को राजस्थान मेघवाल परिषद् के बैनर तले जिलाध्यक्ष रामप्रताप कांटीवाल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को दिये गये ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में गहलोत के नेतृत्व में जब सरकार बनी थी, तब दलित समाज के लोगों ने महसूस किया था, कि अब दलितों पर अत्याचारों में कमी आयेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कुछ दिनों पहले पाली जिले के जितेन्द्र कुमार मेघवाल की एक समुदाय विशेष के लोगों ने केवल चेहरे पर मूंछ रखने पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। जालौर जिले में संत रवीनाथ को आत्महत्या के लिये मजबूर किया था।

वाजपेयी को अर्पित किये श्रद्धासुमन

सीकर। पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि मंगलवार को भाजपा कार्यालय में मनाई गई। भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी के नेतृत्व में आयोजित स्व. वाजपेयी की पुण्य तिथि पर उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया।

जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने नए भारत की आधारशीला रखी थी जिस पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर काम चल रहा है। एक सक्षम और सशक्त भारत के निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कहा कि स्व. वाजपेयी एक प्रखर राष्ट्रवादी वक्ता, महान राष्ट्रिचंतक थे। वे हमेशा देश के बारे में पहले सोचते थे। उनके कार्यकाल के दौरान देश में ऐसे कई काम हुए थे जो आज भी एक मिशाल है। सीकर से भी स्व. वाजपेयी का हमेशा जुड़ाव रहता था। वे कई बार सीकर भी आए थे। अन्य वक्ताओं ने कहा कि भारत रत्न स्व. वाजपेयी ने लोकसभा में हमेशा आम आदमी से जुडे सवालों को उठाया था। उनकी सोच व वक्ता होने के कारण ही कांग्रेस की सरकार रहते हुए भी उनको विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा जाता था।

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जिला चूरू

क्रमांकः-लेखा/निविदा/2022-23/6193-97 | दिनांक :- 16.08.2022

खुली बोली आमंत्रण सूचना 01/2022
(आयुर्वेद भैषज एवं औषधियों के क्रय हेतु)

NIB Code- AYU2223A0039

राजकीय डी.बी. पंचकर्म केन्द्र चूरू, जरावस्था निवारण केन्द्र रतनगढ़ व आंचल प्रसुता केन्द्र सालासर में संचालित पंचकर्म चिकित्सा केन्द्र, जरावस्था केन्द्र व आंचल प्रसुता केन्द्र हेतु आवश्यक वैध लाइसेंस प्राप्त औषधी निर्मात्री फर्मस, भारत एवं राज्य सरकारों के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्रों के उद्यमों, राजकीय रसायनशालाओं/ G.M.P. का अनुपालन करने वाले सहकारी संस्थाओं का वर्तमान में विद्यमान G.M.P. की अनुपालना करने वाली कंपनियों के अधिकृत विक्रेताओं/निर्माताओं से दिनांक 25.08.2022 दोपहर 11.00 बजे तक सीलबन्द लिफाफों में बोलिया आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	विवरण	अनुमानित मूल्य	बोली फार्म शुल्क	Bid security	बोली फार्म विक्रय हेतु उपलब्ध	बोली फार्म भरकर प्रस्तुत करने की दिनांक
1	राजकीय डी.बी. पंचकर्म केन्द्र चूरू, जरावस्था निवारण केन्द्र रतनगढ़ व आंचल प्रसुता केन्द्र सालासर हेतु आयुर्वेदिक भैषज एवं औषधियों का क्रय (संलग्न सूची अनुसार)	रूपये 500000 /-	रू 200 /- मात्र	रू. 12500 /- मात्र	प्रारंभ दिनांक 16.08.2022 से दिनांक 25.08.2022 को दोपहर 10.00 बजे तक	दिनांक 25.08 2021 को दोपहर 11.00 बजे तक

नोटः- निविदा की शर्तें तथा अन्य जानकारी के लिये कार्यालय समय में अथवा पोर्टल SPPP पर देखी जा सकती है।

उपनिदेशक,आयुर्वेद विभाग, चूरू

जालोर जिले के सुराणा गांव में पहुंचकर सचिन पायलट ने मृत दलित बच्चे इंद्र मेघवाल के परिजनों को सांत्वना दी। इस मौके पर पायलट ने कहा कि, यह घटना प्रशासन और सरकार दोनों का बड़ा ''फेलियर'' हैं। इस घटना के कारण लोगों के मन में संदेह व्याप्त हो गया हैं, अब हमें कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे जिससे की लोगों में विश्वास की पुनः बहाली हो सके। जैसा कि विदित हैं कि, सुराणा गांव के स्कूल के 9 साल के बच्चे की शिक्षक की ओर से पिटाई किए जाने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

अलवर के गोविंदगढ़ में ''मॉब लिंचिंग''

ट्रैक्टर चोरी के शक में सब्जी बेचने वाले को पीटा, अस्पताल में मौत

- **आक्रोशित लोगों ने रामगढ़-गोविंदगढ़ मार्ग को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।**
- **50 लाख रूपए, सरकारी नौकरी, मॉब लिंचिंग का केस दर्ज करने और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मॉब लिंचिंग में मामला दर्ज करने के आश्वासन के बाद हुआ चिरंजी सैनी का अंतिम संस्कार।**

अलवर, 16 अगस्त (निसं)। अलवर में एक बार फिर मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जिले के गोविंदगढ़ कस्बे के रामबास गांव में चिरंजीलाल (45) की एक समुदाय के 20-25 लोगों ने गत 14 अगस्त को बुरी तरह से पिटाई की। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक सब्जी बेचकर अपनी आजीविका चलाता था।

वह रविवार सुबह करीब 5 बजे घर के पास खेत में टॉयलेट करने गया था। इस दौरान स्कॉर्पियो और पिकअप में सवार होकर आए 20-25 लोगों ने खेत में ही उसे बेरहमी से पीटा। चीख-पुकार सुनकर लोग भागकर खेत में पहुंचे तो चिरंजीलाल वहां अधमरा पड़ा था। आरोपी भी वहीं खड़े थे और उस पर ट्रैक्टर चोरी का आरोप लगा रहे थे। फिर आरोपियों ने ही पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया। गोविंदगढ़ पुलिस सुबह करीब 6.30 बजे पहुंची तो आरोपियों और ग्रामीणों में बहस होती रही। पुलिस ने घायल को गोविंदगढ़ सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे सुबह 9 बजे जयपुर रैफर कर दिया।

लेकिन सोमवार शाम 3 बजे चिरंजीलाल की मौत हो गई। शव सोमवार देर रात 11 बजे जयपुर से रामबास गांव पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया। आक्रोशित लोगों ने रामगढ़ -गोविंदगढ़ मार्ग को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। आक्रोशित परिजन और गांव के लोगों ने मंगलवार को भी रामगढ़ -गोविंदगढ़ रोड को बल्लियां लगाकर जाम कर दिया। पीड़ित पक्ष ने 50 लाख मुआवजा, एक सदस्य को नौकरी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। परिवार तीनों मांगें पूरी न होने तक अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़ गया। दोपहर 2.20 बजे प्रशासन व परिवार के बीच सहमति बन गई, जिसके बाद परिवार अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गया।

प्रशासन की ओर से लक्ष्मणगढ़ उपखंड अधिकारी लाखन गुर्जर ने जिला कलैक्टर जितेंद्र सोनी से बात करके परिवार को 5 लाख रुपए का तुरंत मुआवजा दिलाने और 50 लाख मुआवजे व सरकारी नौकरी का प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजने का आश्वासन दिया। मृतक चिरंजीलाल के बेटे योगेश से उपखण्ड अधिकारी लाखन गुर्जर ने बात की। सहमति बनने के बाद दोपहर 2.30 बजे रामगढ़ -गोविंदगढ़ सड़क मार्ग से जाम हटा लिया गया।

घटना का विरोध होते देख क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। आसपास के कई थानों पुलिस मुस्तैद रही।

जिला पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त फोर्स मौके पर तैनात की गई। वहीं, घटना के विरोध में गोविंदगढ़ बाजार पूरी तरह से बंद रहा। सब्जी मंडी व्यापारियों ने भी कामकाज बंद रखा।

लक्ष्मणगढ़ उपखंड अधिकारी लाखन गुर्जर ने सहमति बनने से पहले कहा कि आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों को डिटेन कर उनकी गाडियां जब्त की ली गई हैं। जिस ट्रैक्टर का जिक्र है, उसे भी जब्त कर लिया गया है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने पर विचार किया जा रहा है। मांगों को गंभीरता से सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

डिप्टी कमल मीना ने बताया कि मामले में मृतक के बेटे ने सोमवार शाम रिपोर्ट दर्ज कराई। उसके आधार पर एक आरोपी को नामजद कर 25 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इनमें से कुछ को डिटेन किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की स्कॉर्पियो और पिकअप को जब्त कर लिया है।चिरंजी सैनी हत्याकांड मामले में में आरोपी जाति विशेष के होने के बाद क्षेत्र में तनाव पूर्ण स्थिति बन गई जिसके बाद प्रशासन भी चाक चौबंद नजर आया लेकिन क्षेत्रवासियों ने जाति विशेष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग करते हुए रोड जाम कर दिया।

प्रशासन की ढिलाई से मामला बिगड़ा, ए.डी.एम.-डिप्टी तुरंत हटाए जाने चाहिए-पायलट

प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जालोर जिले के स्कूल छात्र को श्रद्धांजलि देते समय कहा

- **पायलट मंगलवार को जालोर जिले के सुराना गांव गए और मृत छात्र के परिजनों को ढांढस देते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी आपके साथ है और दोषी को सजा दिलाई जाएगी।**
- **पायलट ने घटना का विरोध कर रही भीड़ पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की तथा सरकार से आग्रह किया कि दोषियों को बख्शा न जाए।**

जालोर, 16 अगस्त (कासं)। जालोर जिले के सुराणा गांव में एक निजी स्कूल के अध्यापक की मार पिटाई के बाद एक छात्र की मौत के प्रकरण को लेकर कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर छात्र को श्रद्धांजलि दी।

पायलट ने कहा कि सरकार व प्रशासन की ढिलाई के चलते मामला बिगड़ा है। यदि समय रहते कार्यवाही की होती तो मामला इतना नही बिगड़ता। जब एक अबोध बच्चे का शव उसके घर पर पड़ा था, तब पुलिस द्वारा लोगों पर लाठीचार्ज करना निंदनीय है। सरकार को जालोर के एडीएम व डिप्टी को तुरंत प्रभाव से हटा देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ''प्रशासन की उदासीनता के चलते इस मामले में कोई ठोस कदम नही उठाने से पीड़ित परिवार को परेशान किया गया। कांग्रेस पार्टी हमेशा दलित, गरीब सहित हर वर्ग के साथ है। ऐसी घटना निंदनीय है, तथा इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने की जरुरत है। हम सब का दायित्व बनता है कि हम सब उस दोषी को सजा दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाये। मेरा सरकार से आग्रह रहेगा कि एक अबोध बच्चे की मौत के दोषियों को किसी प्रकार से नही बख्शा जाये तथा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता मुहैया करवाई जाये। पीड़ित परिवार की मांगो के बारे में सोचने से बेहतर है कि उन मांगो को तुरंत माना जाए।'' सचिन पायलट ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि हमें दलित समाज को इससे हटकर हमें संदेश देना होगा उनके जेहन में विश्वास जगाना होगा कि हम उनके साथ खड़े हैं, सिर्फ कानून बनाने, नियम बनाने, भाषण देने और कार्यवाही से शायद यह हम पूरा नही कर सके। उन्हें विश्वास दिलाने के लिए जो कुछ करना है हमें करना होगा।

इस तरह की घटना दोबारा न हो इसे भी सुनिश्चित करना होगा। ''इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी, विधायक रामनिवास गावडीया, पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रशांत बैरवा, पूर्व उप मुख्य सचेतक रतन देवासी, पूर्व जिलाध्यक्ष समरजीत सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।''

मंगलवार को प्रदेश के कई मंत्री, विधायक व जन प्रतिनिधि सुराणा पहुंचे। वही सांसद किराड़ीलाल मीणा व उनकी पत्नी गोलमादेवी को भी सुराणा गांव आते समय पाली - जालोर बोर्डर पर रोका गया। सिर्फ गोलमा देवी को जाने की इजाजत दी गई। गोलमादेवी पीड़ित परिवार को सांसद किरोड़ीलाल मीणा के एक माह की सैलेरी एक लाख रूपये की सहायत राशि दी। किरोड़ीलाल मीणा ने स्वयं को सुराणा गांव जाने से रोकने की घटना को कांग्रेस सरकार का तानाशाही रवैया बताया तथा कहा कि लोकतंत्र में इस प्रकार से रोकना गलत है।

बीजेपी राज में जिन कार्यकर्ताओं ने लाठियां खाईं, मुकदमे झेले, उनका मान-सम्मान होना चाहिए: सचिन पायलट

इस पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, ''कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान तो कभी आपने किया है क्या?''

- **गहलोत ने यह बात जयपुर के शहीद स्मारक पर कांग्रेस की आज़ादी गौरव यात्रा के समापन पर कही।**

जयपुर, 16 अगस्त (का.प्र.)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा था कि बीजेपी राज में जिन कार्यकर्ताओं ने लाठियां खाईं, मुकदमे झेले, उनका मान-सम्मान होना चाहिए। बीजेपी राज में खून पसीना बहाने वाले कार्यकर्ताओं को यह अहसास होना चाहिए कि सरकार में उनकी भागीदारी है।

इसी बात को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पायलट पर तंज कसते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान तो आपने किया है क्या कभी? जानते भी हो क्या, क्या होता है, कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान ? हम तो मान-सम्मान पाते पाते ही कार्यकर्ता से नेता बने हैं।

अशोक गहलोत ने यह बात उस समय कही जब जयपुर के शहीद स्मारक पर 9 से 15 अगस्त तक निकाली गई कांग्रेस की आजादी गौरव यात्रा की समापन हो रहा था। दरअसल यह बात कहकर मुख्यमंत्री गहलोत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि आलाकमान के लाख प्रयास के बावजूद वे राजस्थान में गहलोत और पायलट गुटों के बीच आपसी प्रतिद्वंद्विता समाप्त करने के मूड में नहीं हैं।

उन्होंने कहा एक जमाने में इंदिरा गांधी जैसी बड़ी नेता खुद हार गईं थीं, तब भी कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी थी। आप निश्चिंत रहें, मोदी कहते हैं। अच्छे दिन आए न आएं, लेकिन कांग्रेस के अच्छे दिन जरूर आएंगे। इसी के साथ गहलोत ने कहा कि मैं जानता हूं कि कार्यकर्ताओं की अपेक्षा होती है कि मैं पद पर आ जाऊं। बोर्ड में चेयरमैन, उपाध्यक्ष या मैम्बर बन जाऊं। कांग्रेस में कई बातें ऐसी रही कि हम वो काम कर नहीं पाए। राहुल गांधी ने सिस्टम बनाया कि बोर्ड, कॉर्पोरेशन में राजनीतिक नियुक्तियां राज्यों से नहीं कांग्रेस के महासचिव करेंगे। बोर्ड, निगमों में कौन-कौन आएंगे इसका फैसला राष्ट्रीय महासचिव करेंगे। कई राज्यों में कार्यकर्ताओं को न्याय नहीं मिला। वहां मुख्यमंत्री या प्रदेशाध्यक्ष ने अपने स्तर पर ही फैसला कर लिया, इसलिए यह सिस्टम बनाया। वह प्रयोग था, उस प्रयोग से ऐसी हालत बन जाती है कि टाइम लग जाता है।

इस वजह से छह महीने पहले ही बोर्ड निगमों में नियुक्तियां हो पाईं। अभी भी 15-20 बोर्ड निगमों में नियुक्तियां बाकी हैं, पता नहीं उनमें नियुक्तियां हो पाएंगी या नहीं। वे बोर्ड-निगम बनेंगे या नहीं, कह नहीं सकते।

भारतीय फुटबॉल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयान में कहा है कि प्रशासनिक समिति गठित करने के आदेश के निरस्त होने और एआईएफएफ के दैनिक मामले एआईएफएफ प्रशासन के नियंत्रण में आने के बाद निलंबन हटा लिया जाएगा।

अर्धसैनिक बल की बस नाले में गिरी, 7 जवान शहीद

- **बारिश और फिसलन के कारण बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, आई.टी.बी.पी. के 32 अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गये।**

श्रीनगर, 16 अगस्त (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के चंदनवाड़ी में मंगलवार सुबह सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) के सात जवान शहीद हो गए और पुलिसकर्मियों समेत 32 अन्य लोग घायल हो गए।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन थी। इस बीच चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन नाले में जा गिरा। दुर्घटना के समय वाहन में कम से कम 35 सुरक्षाकर्मी सवार थे। ये लोग वार्षिक अमरनाथ यात्रा में अपनी ड्यूटी समाप्त होने के बाद लौट रहे थे। बी.एस.एफ. के एक हेलीकॉप्टर ने घायलों को विशेष इलाज के लिए श्रीनगर अस्पताल पहुंचाया, इनमें से छह की हालत नाजुक बतायी गयी है।उन्होंने बताया कि नागरिक प्रशासन और सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल के पास व्यापक बचाव अभियान शुरू किया है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक ट्वीट किया, घटना के बारे में जानकर गहरी पीड़ा हुई। मैं शोकग्रस्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करता हूं और घायल कर्मियों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

आई.टी.बी.पी. के महानिदेशक डॉ. सुजॉय लाल था ओसेन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। थाओसेन ने ट्वीट किया, मैं जम्मू कश्मीर में हुए दुखद हादसे से बहुत दुखी हूं।

एक और कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या

- **हमले में मृतक का भाई भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया।**

श्रीनगर, 16 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में एक और लक्षित हमले में आतंकवादियों ने कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी और हमले में पीड़ित का भाई घायल हो गया है।

कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति (के.पी.एस.एस.) ने कहा कि मंगलवार को हुई लक्षित हत्या से कश्मीरी पंडित समुदाय में दहशत फैल गयी है।

के.पी.एस.एस. ने हिंदू समुदाय के लोगों से घाटी छोड़ने की अपील की। पुलिस ने कहा कि शोपियां के चोटीगाम इलाके में अल्पसंख्यक समुदाय के दो नागरिक सुनील कुमार और पिंटू कुमार को आतंकवादियों ने निशाना बनाकर गोली मार दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, उनमें से सुनील कुमार की मौत हो गई और पिंटू घायल हो गया। पुलिस ने हमले के लिए आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है। हमले के तुरंत बाद, हमलावरों का पता लगाने के लिए सघन तलाश अभियान शुरू किया गया है।

एस.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करवाए और याचिकाकर्ताओं को साक्षात्कार में शामिल करवाया जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि दक्षता परीक्षा के दौरान वीडियोग्राफी कानून व्यवस्था बनाए रखने और फर्जीवाड़ा रोकने के लिए की गई थी। दक्षता परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सभी पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

कर्नाटक में सांप्रदायिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन दिनों उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने थे। किसी भी समाचार के तत्काल फैलने तथा सोशल मीडिया के इस दौर में, देश के किसी भी भाग में जो कुछ घटित होता है, उसका सीधा तथा त्वरित असर देश के अन्य भागों में भी दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिजाब-विवाद, जो एकाएक फूटा था, करीब-करीब सही समय पर, भाजपा के हित के लिये ही पैदा हुआ था।

मुख्यमंत्री बासवराज ने दोषियों के प्रति कड़ी कार्यवाही करने की जरूरत बताई है तथा राज्य के गृह मंत्री मंगलवार के स्थिति के आंकलन के लिये तुरन्त शिवामोगा पहुँच गये ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं तथा हमदर्दों के आक्रोश को शान्त किया जा सके। लेकिन, के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने राज्य सरकार पर जबरदस्त प्रहार करते हुये कहा कि भाजपा सरकार राज्य को कुशासन प्रदान करने के अलावा, राज्य की छवि खराब कर रही है। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति में आई जबरदस्त गिरावट के लिये सीधे भाजपा पर दोषारोपण किया तथा पूछा कि अगर ऐसी घटनाएं प्रायः होती रहेंगी, तो ''कर्नाटक में निवेश के लिये कौन आयेगा?''

शिवकुमार ने आरोप लगाया, ''सरकार समाज के एक वर्ग का सहयोग कर रही है।''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, ''राज्य में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के अपने कर्तव्य में भाजपा पूरी तरह असफल रही है।'' उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि यह पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र के मुख्य मुद्दों में से एक रहेगा।

भारत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमबान्टोटा में विशालकाय बंदरगाह बना चुका है और चूंकि श्रीलंका कर्ज नही चुका पाया है तो बदले में चीन ने 99 साल की लीज़ पर यह बदंरगाह ले लिया है। चीन ने जबरन अपना जहाज इसलिए भेजा है क्योंकि यह पोर्ट के कामकाज पर अपने नियंत्रण व लीज़ की सामर्थ्य को परखना चाहता हैं।

युद्धाभ्यास पर नजरिया मुख्यतया उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक एक आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस उपकरणों पर निर्भर करता है। इकोनॉमिस्ट मैगज़ीन की नवीनतक रिपोर्ट के सतरह की जानकारी का इस्तेमाल अग्रिम युद्ध योजना बनाने में किया जाता हैं।

क्या नीतीश कुमार से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो सकती हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि, भाजपा से सम्बंध तोड़ने के कुमार के फैसले का असर सिर्फ बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका असर और भी बड़े पैमाने पर हो सकता है, और इससे खासतौर पर विपक्ष शासित राज्यों, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब और झारखंड के विपक्षी नेताओं का मनोबल बढ़ सकता है।

इसके अलावा ऐसा भी आकलन है कि, मध्यप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत कम हो गई है। लोकसभा की 543 सीटों में से आधी से ज्यादा इन राज्यों में हैं।

अपने नए अवतार में कुमार संभवतया कुछ समय के लिए बिहार पर फोकस करेंगे, पर जनतादल (यू) के सूत्रों का कहना है कि अतंतोगत्वा वे राष्ट्रीय राजनीति का रुख करेंगे।

- **भाजपा को आशंका है कि, नीतीश कुमार 2024 के आम चुनावों में पार्टी की संभावनाएं बिगाड़ सकते हैं।**

माना जा रहा है कि, राज्य मंत्रिमण्डल की आज हुई पहली बैठक में जाति जनगणना करवाने का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया।

इसके अलावा इस वर्ष दिसम्बर तक राज्य में लगभग 4 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियाँ देने की योजना बनाई गई है।

इनमें टीचर्स व पुलिस भर्ती के अलावा सरकारी अस्पतालों में ऑग्ज़िलरी नर्स मिडफाइफ्स (ए.एन.एम.) की नियुक्तियाँ भी शामिल हैं। नीतीश कुमार के नजदीकी सूत्रों ने कहा, ''राज्य सरकार के प्रदर्शन के बल पर विपक्ष की एकता का वातावरण तैयार किया जा सकता है।''

हालांकि अभी समय है, लेकिन नीतीश कुमार का सोच है कि, 2024 के आम चुनाव से पूर्व विपक्ष को प्रेरित करने में जाति जनगणना केन्द्रीय मुद्दा बन सकती है।

नीतीश कुमार की पिछले दिनों में, आप नेता अरविन्द केजरीवाल सहित विपक्ष के नेताओं से फोन पर वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी भी इस बात की पुष्टि नहीं है कि, वो गुजरात व हिमाचल प्रदेश सहित उन राज्यों का दौरा करेंगे, जहां चुनाव होने वाले हैं। लेकिन यह तो स्पष्ट है कि, नीतीश कुमार के भविष्य के कदमों को लेकर भाजपा चौकस हो गई है।

एपल ने कर्मचारियों की छंटनी की, गूगल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन वह अपना व्यय और ज्यादा सोच-समझकर करेगी। बताया जाता है कि इससे पहले, कैलिफोर्निया की मल्टीनैशनल टैक्नॉलजी दिग्गज एवं दुनिया में सबसे सशक्त मानी जाने वाली कम्पनी गूगल ने अपने कर्मचारियों को बता दिया था कि या तो वे श्रेष्ठ प्रदर्शन करें अन्यथा नौकरी छोड़ दें। यह एक चेतावनी थी कि यदि उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आए तो छंटनी की तलवार लटकी हुई है।

पश्चिमी मीडिया की खबरें कहती हैं कि गूगल क्लाउड सेल्स डिपार्टमैंट में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें उनके सीनियर्स ने कहा है कि सेल्स प्रोडक्टिविटी और सामान्य सृजनात्मकता का पूरा मूल्यांकन किया जाएगा। सेल्स टीम को जो मैसेज किया गया है, उसके अनुसार यदि तीसरी तिमाही के परिणाम बेहतर नहीं आते हैं तो स्थिति बेहद खराब हो जाएगी। कर्मचारियों ने बताया कि कम्पनी के बिना कोई घोषणा किए भर्तियां बंद करने की अवधि इस माह चुपचाप बढ़ा देने के बाद से उन्हें छंटनी का डर सता रहा है।

बताया जाता है कि गूगल के सी.ई.ओ. सुन्दर पिचाई ने पिछले माह के अंत में आयोजित एक मीटिंग में अपने स्टाफ से कहा था कि उन्हें जबर्दस्त विपरीत आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने फोकस और उत्पादकता में सुधार की जरूरत है। इन परिस्थितियों ने पूरे टैक्नॉलजी सैक्टर को किफायत बरतने के लिए बाध्य कर दिया है। पिचाई ने कहा कि वह तीव्र गति से बेहतर परिणाम प्राप्त करने को लेकर अपने कर्मचारियों के विचार जानना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि ''स्पष्ट है कि हम एक चुनौतीपूर्ण वृहद परिदृश्य का सामना कर रहे हैं, जिसमें आगे और अनिश्चितताएं हैं। वास्तविक चिंताएं इसे लेकर है कि हमारे यहां इतने कर्मचारी होने के बावजूद हमारी उत्पादकता का वो स्तर नहीं है जो होना चाहिए।'' इस सर्च एंजिन ने पिछले माह दो सप्ताह के लिए भर्तियां बंद करने की घोषणा की थी, लेकिन उसने अपना यह निर्णय अब तक बदला नहीं है, जिससे कर्मचारी भयभीत हैं। ध्यान देने योग्य यह है कि कॉमर्स डिपार्टमैंट के आंकड़े यह रहस्योद्घाटन करते हैं कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में लगातार दो तिमाही तक कमी आई है, जो कि किसी आर्थिक मंदी की एक आदर्श परिभाषा है।

अमेरिका की जी.डी.पी. जिसमें देश में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मापन किया जाता है, 0.9 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिर गई, यानी की वर्ष 2021 के प्रथम तीन महीनों में 1.6 प्रतिशत गिरने के बाद यह द्वितीय तिमाही में -0.9 प्रतिशत रही।

ट्रेडिंग इकॉनोमिक्स द्वार संकलित आंकड़े दर्शाते हैं कि इस वर्ष अप्रैल-जून माह की वित्तीय तिमाही के दौरान अमेरिका ने अपनी सात प्रतिद्वंद्वी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे खराब प्रदर्शन किया। एपल और गूगल ही ऐसी टैक कम्पनियां नहीं हैं जो अपने कर्मचारियों को नोटिस दे चुकी हैं। फेसबुक की पेरेन्ट कम्पनी ''मेता'' के संस्थापक एवं सी.ई.ओ. मार्क ज़ुकरबर्ग ने हाल ही के इतिहास की सबसे बुरी आर्थिक स्थिति का दोष भर्तियां बंद करने सहित लागत कम करने के कई उपायों को दिया।

ज़ुकरबर्ग ने यह भी स्पष्ट किया कि मापदण्ड अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले कर्मचारियों को कम्पनी हटा देगी।

घोर विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के कारण गूगल व अन्य तकनीकी दिग्गज किफायत बरतने को बाध्य हो गए हैं।

ज़ुकरबर्ग ने गत जून माह के अंत में आयोजित कम्पनी की सार्वजनिक सभा की मीटिंग में कहा था कि ''वास्तव में कम्पनी में कुछ ऐसे लोग हैं जिन्हें यहां नहीं होना चाहिए था।''

ट्विटर सी.ई.ओ. पराग अग्रवाल ने कम्पनी के रिवैन्यू लक्ष्यों और ग्रोथ में हाल ही आई कमी का हवाला देते हुए इस वर्ष की शुरूआत में दिए गए मैसेज में अपने कर्मचारियों को नई भर्ती बंद करने का संकेत दे दिया था।

टैस्ला कम्पनी के सी.ई.ओ. एलन मस्क जब से ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने पर सहमति जताने के बाद अपनी बात से मुकरे हैं, कम्पनी तभी से संकट झेलती रही है। ट्विटर अब समझौते की शर्तें लागू करने के एक प्रयास के तहत मस्क पर मुकदमा दायर कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

MARUTI SUZUKI

NEXA

THE ALL-NEW

XL6

TIME TO INDULGE

SCAN THE QR CODE
TO ENTER THE WORLD
OF INDULGENT COMFORT.

CREATE. INSPIRE.

Ventilated Seats

360 View Camera

6-Speed Automatic Transmission with Paddle Shifters

Tyre Pressure Monitoring System

Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
- FULL FRONTAL IMPACT
- FRONTAL OFFSET IMPACT
- SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665),
JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL (AURIC MOTORS PH: 7412087314).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)